हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-267, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, बुधवार 12 मार्च 2025

पत्रकार एकता एसोसिएशन शाहाबाद ने पुलिस महानिदेशक...02

सीतापुर मे पत्रकार की हत्या के विरोध मे ग्रामीण पत्रकार...06

एनएससी ने निफ्टी केमिकल्स इंडेक्स लॉन्च किया

सेंसेक्स 12 अंक गिरकर 74,102 के स्तर पर बंद

सोना 209 रुपए गिरकर 85,723 रुपए पर आया

संक्षिप्त समाचार

महिला आयोग के सामने पेश हुए आशीष चंचलानी

नयी दिल्ली, एजेंसी। यूट्यूबर आशीष चंचलानी आज मंगलवार को कॉमेडियन समय रैना के शो इंडियाज गॉट लैटेंट में की गई अपमानजनक टिप्पणियों के संबंध में पूछताछ के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश हुए। इंडियाज गॉट लैटेंट शो में की गईं अपमानजनक और अश्लील टिप्पणियों के संदर्भ में महिला आयोग ने रणवीर अल्लाहबादिया, अपूर्व मुखीजा, समय रैना, जसप्रीत सिंह और चंचलानी को तलब किया था। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक आशीष चंचलानी आज मंगलवार को महिला आयोग के सामने पेश हुए। एक अधिकारी के मुताबिक, आयोग ने शो में की गईं अपमानजनक टिप्पणियों को गंभीरता से लिया था। रणवीर अल्लाहबादिया, अपूर्व मुखीजा, समय रैना, जसप्रीत सिंह और चंचलानी के अलावा तुषार पुजारी और सौरभ बोथरा को भी तलब किया था। आयोग की तरफ से आशीष चंचलानी को 17 फरवरी को बुलाया गया था। लेकिन उन्होंने खराब सेहत का हवाला देते हुए तारीख में बदलाव की मांग की थी। आशीष चंचलानी से चार दिन पहले शुक्रवार 07 मार्च को रणवीर अल्लाहबादिया और अपूर्वा मुखीजा महिला आयोग पहुंचे थे।

होली के दिन बदला रहेगा दिल्ली मेट्रो का समय

नई दिल्ली, एजेंसी। होली के मौके पर डीएमआरसी ने दिल्ली में मेट्रो सेवा की टाइमिंग में बदलाव किया है। राजधानी में 14 मार्च को सभी लाइनों पर मेट्रो दोपहर 2:30 बजे संचालित होगी। यह व्यवस्था एयरपोर्ट लाइन पर भी रहेगी। डीएमआरसी ने यह फैसला रंग और हुल्लड़बाजी को ध्यान में रखते हुए लिया है। लखनऊ में भी मेट्रो का संचालन दोपहर 2ः30 बजे से शुरू होगा और रोज की तरह रात 10:30 बजे तक चलेगा। सामान्य दिनों में संचालन सुबह छह से रात साढ़े दस बजे तक होता है। ये सूचना मेट्रो प्रबंधन की ओर से मंगलवार को जारी की गई है।

जनपद झांसी में नवनिर्मित आधुनिक झांसी अंतरिक्ष संग्रहालय का अवलोकन

स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल व पैथोलॉजी सेंटर का किया लोकार्पण

यूपी अब देश का ग्रोथ इंजन : योगी

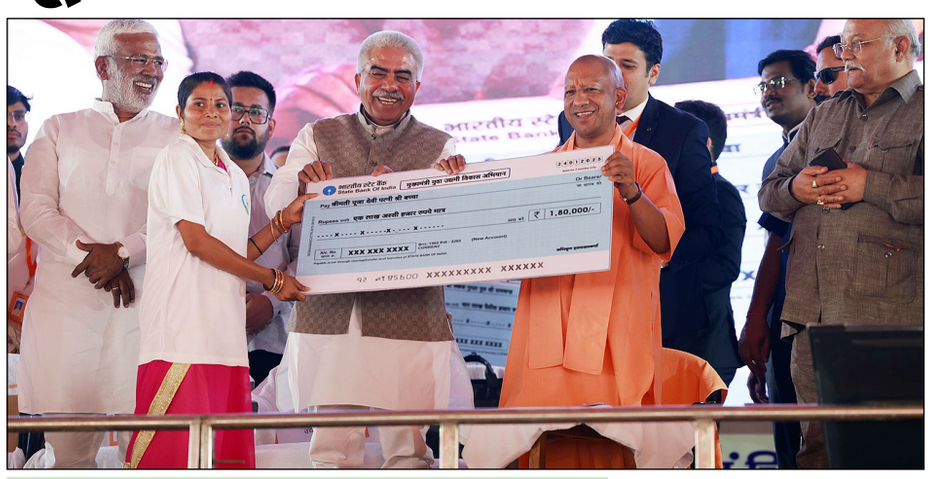

कभी बीमारू प्रदेश रहा यूपी अब भारत का ग्रोथ इंजन बना : योगी

क्राफ्ट मेला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के पहले बीमारू प्रदेश के रूप जाना जाने वाला यूपी अब भारत का ग्रोथ इंजन बन गया है। बुंदेलखंड में भी माफिया राज और अवैध खनन होता था। जब भाजपा की सरकार बनी तो बुंदेलखंड को डकैत और माफिया से मुक्त करवाया है।

झांसी, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को झांसी में स्मार्ट सिटी के तहत बनवाए गए स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल व पैथोलॉजी सेंटर और युवा उद्यमियों के स्टार्टअप की प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा, मैंने झांसी के पहले स्मार्ट अस्पताल का उद्घाटन किया है। आज झांसी में इसका शुभारंभ स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत हुआ है। मैं इसके लिए झांसी वासियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मुझे यहां अंतरिक्ष संग्रहालय देखने का अवसर प्राप्त हुआ। हम यहां अंतरिक्ष के सभी रहस्यों को जान सकते हैं। यह योजना झांसी के लोगों को स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को अपराह्न 12ः30 बजे झांसी पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने स्मार्ट सिटी पैथोलॉजी सेंटर का लोकार्पण कर इसका जायजा लिया। नगर आयुक्त सत्य प्रकाश ने मुख्यमंत्री को अत्याधुनिक पैथालॉली सेंटर की खूबियों के बारे में बताया। इसके बाद उन्होंने युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत झांसी और चित्रकूट के संयुक्त कैंप का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने स्पेस म्यूजियम देखा और ब्रह्मांड के रहस्यों को जाना। यहां से वह क्राफ्ट मेला मैदान आए। यहां सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये वही उत्तर प्रदेश है जहां व्यापारी और नौजवान पलायन को मजबूर था। आज नए भारत का नया उत्तर प्रदेश नए सामर्थ्य के साथ आगे बढ़ रहा है। पीपीपी मॉडल के तहत बने हॉस्पिटल में बेहतरीन डायग्नोस्टिक सेंटर बन सकता है। 50 बेड के आईसीयू का निर्माण हो सकता है। टेली कंसल्टेशन की सुविधा दे सकता है। झांसी में आज इसका शुभारंभ स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत हुआ है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वह झांसीवासियों को हृदय से बधाई देते हैं। स्पेस म्यूजियम पर उन्होंने बताया कि उन्होंने इसका वर्चुअल शुभारंभ किया था, तक से अब तक यह 30 लाख से ज्यादा की कमाई भी कर चुका है। कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता महाकुंभ ने आस्था को आर्थिकी के साथ जोड़ा। उन्होंने कहा पिछली सरकारों ने उत्तर प्रदेश को पिछड़ा बना दिया।

बुंदेलखंड के 1070 युवाओं को ऋण चेक दिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ में 66.30 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई है। यह अनुमान से कई गुना अधिक है। कुंभ के दौरान यूपी में कहीं भी लूट, छेड़छाड़, अपहरण, हत्या की कोई घटना नहीं हुई है। महाकुंभ के रूप में दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन यूपी में हुआ है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के बारे में सीएम ने कहा कि अब युवा नौकरी के पीछे नहीं, बल्कि जब युवा के पीछे नौकरी होगी। इस योजना के तहत स्टार्टअप शुरू करके युवा उद्यमी 8 से 10 लोगों को काम दे सकेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड के 1070 युवाओं को ऋण चेक का वितरण भी किया।

मॉरीशस का सर्वोच्च पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय बने मोदी, बोले

यह ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान

पोर्ट लुईस, एजेंसी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने पीएम नरेंद्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार द ग्रांड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन से सम्मानित किया है। यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी को भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए उनके योगदान के लिए दिया गया है। मोदी इस सम्मान को प्राप्त करने वाले पहले भारतीय हैं। यह 21वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है जो प्रधानमंत्री मोदी को किसी अन्य देश द्वारा दिया गया है। रामगुलाम ने कहा कि मोदी पांचवें विदेशी नागरिक हैं, जिन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान दिया गया है। सर्वोच्च सम्मान से नवाजे जाने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मॉरीशस के पीएम ने अभी घोषणा की है कि वे मुझे अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित करेंगे। मैं आपके फैसले को विनम्रता के साथ स्वीकार करना चाहता हूं। यह भारत और मॉरीशस के ऐतिहासिक संबंधों का सम्मान है। भारतीय समुदाय के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, जब भी मैं मॉरीशस आता हूं, तो ऐसा लगता है जैसे में अपने ही लोगों के बीच हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत और मॉरीशस के संबंधों में मधुरता बढ़ी है। मॉरीशस के नागरिकों को उनके राष्ट्रीय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, मैं दस साल पहले इसी दिन मॉरीशस आया था। यह होली के सप्ताह बाद दौरा था और मैं अपने साथ फगवा की खुशी लेकर आया था। इस बार मैं होली के रंगों को अपने साथ भारत ले जाऊंगा।

जल्द जारी होंगे 100 और 200 के नए नोट : आरबीआई

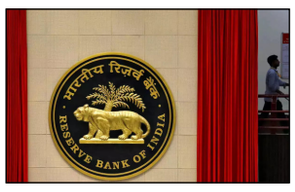

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला में 100 और 200 रुपये मूल्य के नए बैंक नोट जारी करेगा। आरबीआई के मुख्य महाप्रबंधक पुनीत पंचोली ने मंगलवार को बताया कि इन नए नोटों पर रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे। इन नए नोटों का डिज़ाइन मौजूदा महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 100 और 200 रुपये के नोटों के समान होगा। यानी, उनके रंग, पैटर्न, और सुरक्षा विशेषताएं वर्तमान नोटों के अनुरूप रहेंगी। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि पहले जारी किए गए 100 और 200 रुपये के सभी पुराने नोट भी प्रचलन में बने रहेंगे और वे वैध मुद्रा माने जाएंगे। उल्लेखनीय है कि यह कदम नकदी की आपूर्ति को बनाए रखने और बैंकिंग प्रणाली में स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

बीएलए ने 182 लोगों को बनाया बंधक, 11 सैन्यकर्मी हमले में मारे गये

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान प्रांत को आजाद करने की मांग कर रहे अलगाववादी संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तान रेलवे की यात्री ट्रेन जाफर एक्सप्रेस पर मंगलवार को हमला कर उस पर कब्ज़ा करने के बाद 182 लोगों को बंधक बना लिया वहीं हमले में 11 पाकिस्तानी सैन्यकर्मी मारे गये हैं। बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच के मुताबिक उसके लड़ाकों का जाफर एक्सप्रेस पर पूरा नियंत्रण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंधकों में पाकिस्तानी सेना, पुलिस, आईएसआई और एटीएफ के सक्रिय-ड्यूटी कर्मी शामिल हैं, जो सभी छुट्टी पर यात्रा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि आम यात्रियों, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और बलूच नागरिकों को रिहा कर दिया गया है और उन्हें सुरक्षित मार्ग से उनके गंतव्य की ओर भेजा गया है। बीएलए ने चेतावनी दी है कि यदि सैन्य हस्तक्षेप जारी रहा, तो सभी बंधकों को मार दिया जायेगा। प्रवक्ता ने कहा कि ऑपरेशन का नेतृत्व मजीद ब्रिगेड, एसटीओएस, फतह स्क्वाड और बीएलए की जिराब यूनिट द्वारा किया जा रहा है तथा किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णायक जवाब दिया जायेगा। बीएलए के प्रवक्ता ने कहा है कि पाकिस्तानी सेना वहां बीएलए की यूनिटों के खिलाफ हेलीकाप्टर और ड्रोन से हवाई हमले कर रही है। यदि उसके लोगों पर वहां हवाई हमले तुरंत नहीं रोके गए तो पाकिस्तान को ट्रेन में बंधक बनाये गये लोगों से हाथ धोना पड़ेगा और इसके लिए वही जिम्मेदार होंगे। और इसी के तहत उनकी यूनिटों ने बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर स्टेशन जा रही यात्री ट्रेन जाफर एक्सप्रेस पर हमला किया और ट्रेन को पटरी से उतारकर उस पर कब्ज़ा कर लिया है।

आतंकवाद तथा अलगाववाद के कारण पूर्वोत्तर विकास की दौड़ में चार दशक पीछे रह गया : अमित शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि तमाम विशेषताओं से लैस होने के बावजूद पूर्वोत्तर में मतिभ्रम और विवाद पैदा कर आतंकवाद तथा अलगाववाद खड़ा किया गया जिससे यह क्षेत्र विकास की दृष्टि से चार दशक पीछे चला गया। श्री शाह ने यहां छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत राजधानी आये पूर्वोत्तर के राज्यों के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर भारतीय संस्कृति का एक अमूल्य गहना है और यह संस्कृति को समृद्ध करने वाली विरासत से लैस है। उन्होंने कहा, नॉर्थईस्ट में पूरी दुनिया को पर्यटन की दृष्टि से आकर्षित करने की क्षमता है। साथ ही नॉर्थईस्ट में भारत के सबसे ज़्यादा आई क्यू वाले युवा हैं और सबसे मेहनती जनजातियां यहीं हैं। पूर्वोत्तर में 220 से अधिक जनजातीय समूह, 160 से अधिक जनजातियां, 200 से अधिक बोलियां और भाषाएं, 50 यूनिक प्रकार के त्यौहार और पूरी दुनिया में प्रसिद्ध 30 से अधिक नृत्य शैलियां हैं। उन्होंने कहा कि कहा कि इतनी सारी विशेषताएं होने के बावजूद यह क्षेत्र विकास में पिछड़ गया क्योंकि एक समय था जब अलग-अलग प्रकार के मतिभ्रम और विवाद पैदा कर आतंकवाद और अलगाववाद को खड़ा किया गया। उन्होंने कहा , हिंसा, बंद, ड्रग्स, ब्लाकेड और प्रांतवाद ने हमारे नॉर्थईस्ट को टुकड़ों में बांट दिया। इसने हमारे उत्तरपूर्व को मानसिक रूप से न सिर्फ देश से बल्कि पूर्वोत्तर के राज्यों को भी एक दूसरे से अलग करने का काम किया। इसके परिणामस्वरूप हमारा नॉर्थईस्ट विकास की दृष्टि से 40 साल तक पिछड़ता चला गया और इसमे सबसे बड़े बाधक आतंकवादी और अलगाववादी समूह बने। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जब भी उनकी पार्टी की सरकार आई तो उसने पूर्वोत्तर को प्राथमिकता दी।

दिल्ली कोर्ट बोली- केजरीवाल पर एफआईआर दर्ज करो

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर सरकारी पैसों के दुरुपयोग मामले में स्नढ्ढक दर्ज करने के आदेश दिए हैं। केजरीवाल पर आरोप है कि उन्होंने प्रचार के लिए बड़े होर्डिंग लगवाने में जनता के पैसे का गलत इस्तेमाल किया। केजरीवाल और दो अन्य नेताओं गुलाब सिंह और नितिका शर्मा पर स्नढ्ढक की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को केस दर्ज करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पुलिस से 18 मार्च तक मामले की स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी है। 2019 में दिल्ली की एक अदालत में याचिका दायर की गई थी। इसमें आरोप था कि अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक गुलाब सिंह और द्वारका से पार्षद नितिका शर्मा ने पूरे इलाके में बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाकर जनता के पैसे का दुरुपयोग किया है।

अवामी एक्शन कमेटी, जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन पर पांच साल के लिए प्रतिबंध

नयी दिल्ली/श्रीनगर, एजेंसी। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को जम्मू कश्मीर के दो समूहों मीरवाइज के नेतृत्व वाली अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) और मसरूर अब्बास अंसारी की अध्यक्षता वाली जम्मू-कश्मीर इत्तिहादुल मुस्लिमीन (जेकेआईएम) को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत पांच साल के लिए प्रतिबंधित संगठन घोषित किया। मंत्रालय ने यह निर्णय जम्मू-कश्मीर में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों, अलगाववादी प्रचार और आतंकवाद को समर्थन देने में संगठन की कथित संलिप्तता का हवाला देते हुए लिया गया। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि एएसी गैरकानूनी गतिविधियों में लिप्त है, जो देश की अखंडता, संप्रभुता और सुरक्षा के लिए हानिकारक है और इसके सदस्य जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद को बढ़ावा देने के लिए आतंकवादी गतिविधियों और राष्ट्र विरोधी प्रचार में शामिल रहे हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने अलगाववाद को बढ़ावा देने और राष्ट्र विरोधी भावनाओं को बढ़ाने के लिए भारत सरकार के खिलाफ लोगों को भड़काने में उनकी कथित भूमिका के लिए मीरवाइज सहित अन्य सदस्यों के खिलाफ कई मामले दर्ज किए हैं। मंत्रालय ने मसरूर अब्बास अंसारी के नेतृत्व वाली (जेकेआईएम) पर भी यह कहते हुए प्रतिबंध लगाया है कि समूह के सदस्य सक्रिय रूप से आतंकवादी गतिविधियों का समर्थन करने के साथ ही राष्ट्र विरोधी प्रचार में लगे हुए हैं और केन्द्र शासित प्रदेश में अलगाववादी एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए धन जुटा रहे हैं।

सरकार का किसी पर हिन्दी या संस्कृत थोपने का इरादा नहीं : धर्मेन्द्र प्रधान

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने आज स्पष्ट किया कि नयी शिक्षा नीति में उसका हिन्दी या संस्कृत को तीसरी भाषा के रूप में थोपने का इरादा नहीं है और सरकार चाहती है कि देश के युवाओं को दुनिया में बहुभाषी समाज के अवसरों को फायदा उठाने के लिए भाषा ज्ञान और कौशल बढाना चाहिए। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मंगलवार को राज्यसभा में शिक्षा मंत्रालय के कामकाज पर करीब छह घंटे चली चर्चा का विस्तार से जवाब देते हुए तमिलनाडु में तीन भाषा के फार्मूले के कथित विरोध, एनसीईआरटी की किताबों में सांप्रदायिकता की कथित बू और विपक्ष शासित राज्यों के साथ शिक्षा मद में धन के आवंटन को लेकर भेदभाव के आरोप सहित विभिन्न मुद्दों का खुलकर जवाब दिया। शिक्षा मंत्री ने कहा कि नयी शिक्षा नीति में तीसरी भाषा के रूप में कहीं भी हिन्दी और संस्कृत को अनिवार्य नहीं किया गया है और इनकी जगह पर कोई भी भारतीय भाषा अपनायी जा सकती है। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक समाज है और इसमें कोई भाषा किसी पर थोपी नहीं जायेगी। श्री प्रधान ने कहा कि बहुभाषी समाज समय की मांग है और दुनिया में बढती संभावनाओं को देखते हुए देश के नौजवना नयी भाषाएं सीखें इसलिए तीन भाषा का फार्मूला दुनिया की आवश्यकताओं को देखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में दो भाषा के फार्मूले के तहत चल रहे सरकारी स्कूलों में औपनिवेशक भाषा पढने वाले बच्चों का अनुपात बढ रहा है।

रायसभा में खड़गे के ठोकेंगे वाले बयान पर हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को रायसभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के ठोकेंगे वाले बयान पर हंगामा हुआ। दरअसल, डिप्टी चेयरमैन ने दिग्विजय सिंह को बोलने के लिए कहा, लेकिन खड़गे बीच में अपनी बात रखने लगे। इस पर डिप्टी चेयरमैन हरिवंश ने उन्हें टोका, कहा- आप सुबह बोल चुके हैं। इस पर खड़गे ने कहा- ये क्या डिक्टेटरशिप है। मैं हाथ जोड़कर आपसे बोलने की अनुमति मांग रहा हूं। इस पर हरिवंश ने कहा- अभी दिग्विजय सिंह के बोलने का मौका है, इसलिए आप बैठ जाइए। इसके बाद खड़गे ने कहा- वो तो बोलेंगे ही, लेकिन आपको क्या-क्या ठोकना है हम ठीक से ठोकेंगे, सरकार को भी ठोकेंगे।

देश में सैटेलाइट से इंटरनेट मिलेगा, स्पेस एक्स-एयरटेल में करार

जंगल-पहाड़ सब जगह चलेगा, मस्क की कंपनी के पास सबसे बड़ा सैटेलाइट नेटवर्क

दूर-दराज के इलाकों में भी तेज इंटरनेट देता है स्टारलिंक

स्टारलिंक का काम दूर-दराज के इलाकों को भी सैटेलाइट के जरिए तेज इंटरनेट से जोड़ना है। इसमें कंपनी एक किट उपलब्ध करवाती है जिसमें राउटर, पावर सप्लाई, केबल और माउंटिंग ट्राइपॉड दिया जाता है।

एयरटेल के रिटेल स्टोर पर मिलेंगे स्टारलिंक उपकरण

एयरटेल और स्पेसएक्स एयरटेल के रिटेल स्टोर में स्टारलिंक उपकरण ऑफर करने की संभावनाओं को तलाशेंगे। एयरटेल के जरिए बिजनेस कस्टमर्स को स्टारलिंक सर्विसेज ऑफर करने की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। समुदायों, स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों को जोड़ने और ग्रामीण इलाकों में भी सर्विस देने की संभावना तलाशेंगे।

नई दिल्ली, एजेंसी। टेलिकॉम कंपनी भारती एयरटेल जल्द ही देश में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस उपलब्ध कराएगी। इसके लिए इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के साथ करार किया है।

एयरटेल ने मंगलवार 11 मार्च को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। समझौते के तहत, स्पेसएक्स और एयरटेल बिजनेसेस, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सेवा केंद्रों और दूरदराज के क्षेत्रों में स्टारलिंक सर्विसेस देने के लिए मिलकर काम करेंगे।

पत्रकार एकता एसोसिएशन शाहाबाद ने पुलिस महानिदेशक को भेजा ज्ञापन

⇨ सीतापुर में हुए पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई हत्याकांड में पत्रकारों ने जताया दुख ⇨ पत्रकार एकता एसोसिएशन हरदोई के शाहबाद में सी ओ को सौंपा ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

शाहाबाद /हरदोई। बिगत दिवस जनपद सीतापुर में दिनदहाड़े दैनिक जागरण पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की गोली मारकर की गई हत्या के विरोध में मंगलवार को शाहाबाद में पत्रकार एकता एसोसिएशन उत्तर प्रदेश रजिस्टर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यपाल सिंह के नेतृत्व में मंडल उपाध्यक्ष सत्यदेव शुक्ला की अगुवाई में पत्रकारों द्वारा निकला गया जलूस पत्रकारों की एक ही आवाज कि पत्रकार के हत्यारों को फांसी दो फांसी दो, पत्रकारों के लिए कानून लागू हो पत्रकारों ने कस्बा बस अड्डे से पैदल मार्च कर नारेबाजी करते हुए सी ओ शाहाबाद अनुज कुमार मिश्र को कोतवाली शाहाबाद परिसर में ज्ञापन दिया ज्ञापन में पत्रकारों ने सरकार से मांग की है कि सच लिखने वाले पत्रकार को गोली मारकर हत्या करने बालों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। सभी हत्यारों को फांसी दी जाए और उनके मकानों पर बुल्डोजर चलाया जाए। ज्ञापन के माध्यम से पत्रकारों ने सरकार को बताया कि सीतापुर में ही पत्रकार की हत्या से प्रदेश भर के पत्रकारों में रोष है पत्रकारों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन देकर प्रदेश सरकार से मांग की है कि मृतक पत्रकार के परिवार को एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए और मृतक की पत्नी को नौकरी दोनों बच्चों की पढ़ाई का खर्चा उठाए। उत्तर प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून बनाया जाए। इस मौके पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश राठौर, मुईन खान राशिद खान आमिर खान अमित त्रिपाठी हरिवंश अवस्थी पवन बाजपेई, लाल मोहम्मद उर्फ लकी, कपिल मिश्रा,ममनून नवनीत शुक्ला, दीपक तिवारी जावेद अली अजय कुमार रियाज खान अंकित कुमार, भास्कर , विजय कुमार अग्निहोत्री, आदि दर्जनों की संख्या में पत्रकार साथी मौजूद रहे

स्ट्रांग रूट्स प्री स्कूल के वार्षिकोत्सव में बच्चों की डांस की प्रस्तुति ने मन मोहा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

शाहाबाद(हरदोई)। नगर के स्ट्रांग रूट्स प्री-स्कूल का वार्षिकोत्सव/एनुअल रिज़ल्ट डे का आयोजन रेलवे स्टेशन रोड स्थित एक मैरीज लॉन में बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया।समारोह का शुभारंभ स्कूल के प्रबंधक अमित श्रीवास्तव द्वारा सरस्वती मां की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन और 卐हम होगे कामयाब एक दिन卐 गीत पर नन्हे मुन्ने बच्चो की मनोहर प्रस्तुति के साथ शुरू हुआ।इस अवसर पर स्ट्रांग रूट्स प्री स्कूल के प्रबंधक अमित श्रीवास्तव ने कहा कि हम सबका प्रयास बच्चो की नींव को मजबूत करना होना चाहिए।बेहतर शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार छोटे बच्चों के भविष्य को संवारते है।स्ट्रॉग रूट प्री स्कूल आज शाहाबाद का एक ब्रांड है और उसके ब्रांड एंबेसडर हमारे बच्चे और अभिभावक है। इस मौके पर डॉ शारिक परवेज,पूर्व सभासद आलोक पाठक,स्कूल की डायरेक्टर निकिता श्रीवास्तव,दीपू अवस्थी,डॉ मनीष शर्मा, निर्मल मिश्र ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार बच्चों को प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। बेस्ट स्टूडेंट्स ऑफ ईयर का अवॉर्ड स्कूल के प्रतिभाशाली बच्चे इजहान खान,मिस्टर परफेक्ट का अवार्ड अभिनंदन मिश्रा,और बेस्ट स्टडी बॉल के लिये शानवी सिंह,आदविक मिश्रा, अनुव्रत और फैंसी ड्रेस कंपटीशन में विवान पाठक,तन्मय श्रीवास्तव,प्रिशा वर्मा,स्कंद मिश्रा को प्राइज दिया गया।स्कूल की डायरेक्टर निकिता श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के अंत में आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमें आशा और विश्वास ही नहीं यकीन है कि भविष्य में भी इसी तरह का सहयोग और स्नेह मिलता रहेगा।उन्होंने कहा कि हम सबके कुशल मार्गदर्शन में स्कूल के बच्चे होनहार होकर अच्छी सफलता पाएंगे।अपने बच्चो की बेहतर शिक्षा और अच्छे संस्कार के लिए अभिभावकों ने स्कूल प्रबंधन तंत्र की तारीफ की लोग स्कूल की।कार्यक्रम के समापन में होली पर्व के अवसर पर बच्चों ने जमकर रंगों के साथ होली खेलकर एंजॉयमेंट किया।वार्षिकोत्सव में राखी त्रिपाठी,सदफ खान, ऐमन,इरम,मोनिका, शना,दिव्यांशी आदि ने खासा योगदान किया।

अटल उपवन वेस्ट टू वंडर पार्क का किया अवलोकन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। प्रियदर्शिनी नगर सेक्टर सी में चल रहे निर्माणाधीन अटल उपवन वेस्ट टू वंडर पार्क का जिलाधिकारी गौरांग राठी व नगर पालिका अध्यक्षा श्वेता भानु मिश्रा ने अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नगर पालिका अध्यक्षा ने बताया कि नगर पालिका में पड़ी वेस्ट मटेरियल से बन रहे अटल उपवन नगर में मुख्य आकर्षण का केंद्र होने वाला है जहां बुजुर्गों एवं महिलाओं के टहलने के लिए पथ एवं ओपन जिम एवं बच्चों के लिए आकर्षक झूले का निर्माण कराया जाएगा वहीं जिलाधिकारी श्रीमान गौरांग राठी जी ने अटल उपवन के मानचित्र को देखते हुए नगर पालिका के विकासनीति की सराहना करते हुए नगर पालिका अध्यक्षा को बधाई दी। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानु जी,अधिशासी अधिकारी संजय कुमार गौतम जी, ईओ राजपाल, जेई सुधीर कुमार, जेई उत्कर्ष शुक्ला, जेई विवेक वर्मा सफाई इंस्पेक्टर रश्मि पुष्कर सहित अन्य पालिका के अधिकारी कर्मचारी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

बाजार में होली का खुमार, हर्बल गुलाल की बढ़ी मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। होली को लिए बाजार सजकर तैयार हो गए है। दुकानों पर रंग, गुलाल और रंगबिरंगी पिचकारियों की भरमार है। मोदी-योगी के मुखौटे और भगवा गुलाल की सबसे ज्यादा मांग है। इसके अलावा गुलाल फायर गन, बलून शूटर की भी काफी मांग है। बच्चों के लिए भी कई नए उत्पाद बाजार में आए हैं। इनमें स्प्रेर गन 150-200 रुपये में, बबल गन 600 रुपये तक, मोदी की पिचकारी 200 रुपये तक, मैग्जीन 150 रुपये में, हथौड़ा एवं लोडेड गन 150-200 रुपये में मिल रही है। बाजारों में दुकानों पर ग्राहक रंग-गुलाल, पिचकारी खरीदने पहुंच रहे हैं। बाजार में सबसे ज्यादा मांग भगवा गुलाल की है। थोक बाजार में पिचकारियों की मांग बढ़ गई है। बड़ी संख्या में नए उत्पाद बाजार में आए है। व्यापारियों का कहना है कि इस साल रंग गुलाल, पिचकारी की मांग काफी अधिक है। मांग के सापेक्ष महंगाई में उत्पादन कम है। रंगों का फुटकर बाजार होली से तीन-चार दिन पहले लगता है। अभी से बाजारों में रौनक है। शहर के बाजारों में रंगों की दुकानें सजी हुई है। युवा मोदी और योगी के मुखौटों के साथ ही हर्बल गुलाल अधिक खरीद रहे हैं।

राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शहर के नितिन ने पैदल चाल में स्वर्ण पदक जीता

➢ 19 मिनट में 5000 मीटर पैदल चलकर चैंपियन बने

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। शहर के पीडी नगर मोहल्ला निवासी नितिन गुप्ता ने बिहार में आयोजित राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पैदल चाल में स्वर्ण पदक हासिल किया है। उन्होंने 19 मिनट 24 सेकेंड में 5000 मीटर पैदल चलकर पहला स्थान हासिल किया।बिहार के पाटलीपुत्र स्पोर्ट्स स्टेडियम में 10 से 12 मार्च दो दिवसीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन चल रहा है। इसमें विभिन्न खेलों से कई राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिले के नितिन गुप्ता ने 5000 मीटर की पैदल चाल प्रतियोगिता में भाग लिया। यहां उन्होंने श्रेष्ठ प्रदर्शन कर पहला स्थान हासिल किया। उत्तराखंड के खिलाड़ी तुषार ने 21.8 मिनट में यह दूरी तय करते हुए दूसरा स्थान और उत्तराखंड के ही रितुल परिहार ने 21.14 मिनट में यह दूरी तय कर तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले नितिन, लखनऊ में हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक हासिल कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि अब वह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं। जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रणविजय सिंह, महामंत्री सिद्धार्थ कृष्ण, सोनू सिंह, पारुल पाल, मयंक आदि ने बधाई दी।

होली पर घर का जायका भूले, रेडीमेड का भा रहा स्वाद

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। होली में घरों पर बनने वाले पारंपरिक लजीज पकवानों में काफी बदलाव आ गया है। आज लोग त्योहार को तो मना रहे हैं लेकिन घरों पर बनने वाले पकवानों में दिलचस्पी नहीं है। जिन पकवानों के लिए महीनों पहले से तैयारियां चलती थीं, वह आज रेडीमेड बाजार पर निर्भर हो गई है। बुजुर्ग महिलाएं बताती हैं कि होली की तैयारी के लिए महीनों पहले से आलू, चावल, बेसन खरीद कर रखा जाता था। इससे चिप्स, पापड़ और कचरी तैयारी की जाती थी। वहीं, जिन घरों में पर्याप्त दूध होता था वह अपने घरों के साथ दूसरों के लिए खोया (मावा) तैयार करते थे। होली पर गांवों में व्यवहार की परंपरा के चलते लोगों को कच्चे व पक्के पकवान दिए जाते थे। त्योहार वाले दिन घर पर आने वाले मेहमानों के लिए उनकी पसंद के पकवान गुझिया, कचौड़ी, कचरी, पापड़, खीर, पूड़ी समेत तमाम व्यंजन बनाकर परोसे जाते थे। वह दौर ही कुछ और था, जब लोग मिल जुल कर त्योहार मनाते थे। किसी में कोई भेदभाव नहीं होता था। दरवाजे पर आने वाले हर किसी को खुशी के साथ रंग लगाने और बिना खिलाए वापस नहीं जाने दिया जाता था। आज के दौर में काफी बदलाव आ गया है। लोग आज घरों में तैयार किए जाने वाले पकवानों से दूर हो गए हैं। स्थानीय गिरजा देवी बताती हैं कि पहले घर की महिलाएं फरमाइश पूरी करने में एक महीन से जुट जाती थी। त्योहार पर बनने वाले पकवानों से लेकर कई तरह के रंग, अबीर, गुलाल लाकर घर पर रखना त्योहार की खुशियों को दोगुना कर देते थे। हर तरफ उल्लास नजर आता था। लोग होली जलाने के लिए आतुर दिखाई देते थे मगर अब सब कुछ काफी पीछे छूट गया है। लालमुनी देवी बताती है कि हैं कि होली में महीनों पहले बनने वाले पकवान महीनों बाद तक चलते थे। इसमें मेवा वाली अलग और गुड़ वाली अलग गुझिया शामिल होती थी। पड़ोस के लोगों को बुलाकर खिलाना और उनके साथ रंग खेल कर ठिठोली करने का मजा ही कुछ और था। अब सब कुछ बदल गया है, अब तो लोग पर के बजाए होटल व बाजारों से बनी बनाई गुझियां लाकर खाना पसंद कर रहे हैं। शिवकुमारी का कहना है कि कहना है कि हम लोग बालपन में बसंत पंचमी के बाद से ही होली खेलना प्रारंभ कर देते थे। घर-घर में भौजाई सारे भौजाइयों को किसी न किसी दिन रंग लगा देना हंसी ठिठोली करना आदि होता रहता था। ससुराल में घर के बड़े बुजुर्ग पुआ पकवान बनाने में लगी रहती थी और हम लोग होली खेलने में मशगुल आस-पड़ोस से प्रेम था। शेरपुर कलां निवासी गीता चौबे बताती हैं कि वसंत पंचमी के बाद से होली त्योहार की तैयारी शुरू हो जाती थीं, जहां घरों में साफ सफाई का दौर चलता था। वहां पकवान बनाने के लिए व्यवस्थाएं जुटनी शुरू हो जाती थीं। होलिका दहन के बाद होलिका से लाई गई आग से चूल्हा जलाया जाता था, जो दो दिन तक जता रहता था। गुझिया पापड़ आदि बनाए जाते थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। सुहवल थाना क्षेत्र के मेदनीपुर गाँव स्थित ढाबा के करीब बीते देर रात्रि ताडीघाट- बारा नेशनल हाईवे पर सडक हादसे में बाइक चालक विजयशंकर उर्फ वीरबहादुर पटेल उम्र करीब 25 वर्ष की? मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।जबकि पीछे बैठे कन्हैया पटेल? उम्र करीब 27 वर्ष निवासी सुहवल गम्भीर रूप से जख्मी हो गया। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में? लेकर पंचनामा के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय स्थित मोर्चरी हाउस भेंजवा दिया, मृतक के परिजनों ने इस हादसे के मामलें अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ तहरीर दिया, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चालक और वाहन की तलाश में जुट गई, मगर कोई कामयाबी नहीं मिल सकी, वहीं पीड़ित परिजनों ने बताया कि मृतक अपने पांच भाईयों में सबसे छोटा था, जो पलंम्बर मिस्त्री का काम करता था।परिजनों ने बताया कि मृतक अपने बगल के एक अन्य दोस्त के साथ गाजीपुर अस्पताल में भर्ती गाँव के ही एक आदमी को देखने बाइक से जा रहे थे,कि इसी दौरान मेदनीपुर ढाबा से कुछ दूरी पहले ही एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से विजयशंकर उर्फ वीरबहादुर पटेल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक राजू दिवाकर ने बताया कि हादसे में मृत युवक के शव को कब्जे में ले पीएम के लिए भेंजा गया है,जबकि घायल का वाराणसी में इलाज जारी है। बताया कि धक्का मारने वाले वाहन और चालक की तलाश जारी है।

झोपड़ी में लगी आग, जानवरों का चारा व गृहस्थी का सामान खाक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। गहमर थाना क्षेत्र के करहिया गांव निवासी बचना राजभर की रिहायशी झोपड़ी में सोमवार की मध्यरात्रि के बाद में आग लग गई। इससे उसमें रखा जानवरों का चारा समेत गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। आशंका जताई जाती है कि विद्युत शार्ट सर्किट के चलते आग लगी। आस-पास के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। बचना राजभर पुत्र स्व. सामू राजभर उत्तरी दलित बस्ती में अपने परिवार के साथ झोपड़ी बनाकर रहता है। गृह स्वामी हर दिन के भांति खाना खाने के बाद देर रात्रि को परिवार के साथ बगल में बने सीमेंट शेड के घर में सो गए। मध्य रात्रि के बाद लगभग एक बजें धुआं व आग की लपटे देखकर गृहस्वामी जग गए। गृहस्वामी परिवार के साथ यह दृश्य देख रोने बिलखने लगे। और चिखने-चिल्लाने लगे। गृहस्वामी व आसपास के लोग कुछ समझ पाते कि देखते ही देखते आग ने विकराल रुप धारण कर लिया। गृह स्वामी को समझाते बुझाते बस्ती के लोग समरसेबल आदि चला कर आग बुझाने का प्रयास करने लगे। जब तक लोग आग पर काबू पाते तबतक झोपड़ी में रखी जानवरों का चारा, अनाज, बिस्तर समेत गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीणों का आरोप है कि अग्निशमन दल को सूचना दी गई बावजूद इसके वह मौके पर नहीं पहुंचा। ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन से पीड़ित गृहस्वामी को आर्थिक सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की है।

अवैध ट्रांसफार्मर मामले में एक गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। दिलदारनगर थाना क्षेत्र के उसिया के मोती नगर में आइस फैक्ट्री के लिए अवैध तरीके से विद्युत ट्रांसफार्मर लगाने के दौरान ट्रांसफार्मर ब्लास्ट होने से 4 व्यक्ति झुलसकर घायल हो जाने के मामले में दो नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था जिसमे एक आरोपी को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार मिश्र ने बताया कि अभियुक्त मन्टू कुशवाहा पुत्र अम्बिका प्रसाद निवासी ग्राम खजुरी थाना दिलदारनगर जनपद गाजीपुर को उ0नि0 रविन्द्रु पाण्डेय मय हमराह का0 राहुल कुमार के ग्राम खजुरी कर्मनाशा नदी पुलिया के पास से समय करीब 08.30 बजे गिरफ्तार किया गया है

रोड़वेज बस व ट्रक से डीजल चोरी करने में 7 गिरफ्तार, 345 लीटर डीजल बरामद

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। थाना पाली व शाहाबाद पुलिस की संयुक्त टीम ने पेट्रोल पंप पर खड़ी रोड़वेज बस व ट्रक से डीजल चोरी की घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने डीजल चोरी करने वाले 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास चोरी का 345 लीटर डीजल व घटना में प्रयुक्त एक फोर्ड फीगो कार बरामद हुई है। एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया कि चार दिन पूर्व पाली थानाक्षेत्र के कहारकोला गांव निवासी मनमोहन ने पाली थानें पर तहरीर देकर बताया कि वह रोड़वेज बस (यूपी 30एटी 7106) पर चालक के रूप में कार्यरत है। बस हरदोई, फर्रुखाबाद व पाली तक चलाता है। 5 मार्च को अपनी बस शाहाबाद-पाली मार्ग पर गोपालपुर में स्थित आरती किसान सेवा केंद्र पेट्रोल पंप पर खड़ी कर चला गया था। सुबह साढ़े सात बजे जब बस के पास आया तो देखा कि अज्ञात चोरों द्वारा बस की टंकी का लॉक तोड़कर करीब 200 लीटर डीजल चोरी कर लिया गया। बताया कि उसकी पेट्रोल पंप पर खड़े एक ट्रक (यूके 06सीबी 9372) के डीजल टैंक का भी लॉक तोड़कर करीब 650 लीटर डीजल चोरी कर लिया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज छानबीन शुरू कर दी। एसपी नीरज कुमार जादौन ने डीजल चोरी की वारदात को संज्ञान में लेकर खुलासे हेतु कई टीमों को लगाया। मंगलवार को थाना पाली व शाहाबाद पुलिस ने प्रकाश में आए विकास सक्सेना निवासी श्यामतगंज व आशिक हुसैन निवासी जलालपुर थाना सदर शाहजहांपुर, अमित वर्मा निवासी ग्राम सतुआ खुर्द थाना निगोही शाहजहांपुर, विनीत मिश्रा निवासी मोहल्ला खत्ता जमाल खां, दिव्यांश निवासी बाजार शम्भा, सत्यम बाथम निवासी मोहल्ला दिलेरगंज निकट घासमंडी तिराहा कस्बा व थाना शाहाबाद हरदोई, जसवीर निवासी लुधियापुर थाना उचौलिया जनपद लखीमपुर खीरी को गिरफ्तार कर लिया। जिनके पास चोरी का 345 लीटर डीजल व घटना में प्रयुक्त एक फोर्ड फीगो कार बरामद हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह कार में केन व पाइप रखकर रात में सड़कों के किनारे, पेट्रोल पंप व ढाबों के पास खड़े बस व ट्रकों के डीजल टैंक का लॉक तोड़कर पाइप से डीजल निकाल लेते थे, तथा चोरी किए गए डीजल को कम पैसों पर बेच देते थे। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त विकास सक्सेना के खिलाफ जनपद शाहजहांपुर के विभिन्न थानों पर चोरी, हत्या के प्रयास व गैंगस्टर एक्ट सहित करीब 17 मुकदमें दर्ज हैं। पूछताछ के बाद सभी आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

पत्रकार राघवेंद्र वाजपेयी की हत्या मामले में कार्रवाई की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में वरिष्ठ पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की आठ मार्च को हुई नृशंस हत्या के मामले को लेकर गाजीपुर पत्रकार एसोशिएशन गाजीपुर के अध्यक्ष सूर्यवीर सिंह के नेतृत्व में पत्रकारों ने राष्ट्रपति व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम डीएम गाजीपुर के माध्यम से पत्रक सौंपा। जिलाधिकारी के प्रतिनिधि मुख्य राजस्व अधिकारी आयुष चौधरी को पत्रक दिया गया। आठ मार्च को जनपद सीतापुर के इमलिया सुल्तानपुर क्षेत्र में नेशनल हाईवे-30 पर अज्ञात बदमाशों ने वरिष्ठ पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की बेरहमी से हत्या कर दी। 40 वर्षीय राघवेंद्र वाजपेई की हत्या के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पत्रकारों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर कब तक पत्रकारों पर इस तरह के हमले होते रहेंगे, क्या सरकार पत्रकारों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएगी। मामले में पत्रकार एसोसिएशन के अध्यक्ष सूर्यवीर सिंह ने कहा कि घटना बेहद दुखद और निंदनीय है। हम मांग करते हैं कि अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोर से कठोर सजा दी जाए। साथ ही पत्रकारों की सुरक्षा के लिए प्रदेश सरकार को ठोस कानून बनाना चाहिए। इस मामले को लेकर गाजीपुर पत्रकार एसोसिएशन ने राष्ट्रपति व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान उन्होंने मांग की है कि स्वर्गीय राघवेंद्र वाजपेई के हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार कर फांसी की सजा दी जाए, उनके परिवार को आर्थिक सहायता दी जाए और आश्रित सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून बनाया जाए, पत्रकारों पर हो रहे हमलों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की जाए। इस मौके पर विनय कुमार, आलोक त्रिपाठी, आशुतोष त्रिपाठी, देव ब्रत विश्वकर्मा, रवि कांत, विनोद गुप्ता, शशि कान्त तिवारी, दुर्ग विजय सिंह, अनिल उपाध्याय आदि पत्रकारगण मौजूद रहे।

दिव्यांगजनों को पेंसन न मिलने पर व्यक्त किया रोष

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ द्वारा प्रदेश कैम्प कार्यालय कैलेटरगंज में प्रदेश महासचिव एवं प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव के नेतृत्व में बैठक बुलाई गई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि होली और ईद दोनों महापर्व करीब हैं परन्तु सरकार द्वारा अभी तक तमाम दिव्यागजनों की पेंशन उनके खाते में नहीं भेजी गई हैं जिसके चलते विकलांगों में रोष है। समय से पेंशन न से विकलांगों की होली बेरंग और ईद की सेवई रह जाएगी फीकी पर सरकार को उससे को कोई फर्क पड़ता नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांजन सशक्तिकरण विभाग में वर्तमान समय तैनात नीतू त्रिवेदी ने जब से कार्यभार संभाला है तब से मोती नगर स्थित कार्यालय में पड़ी उनकी कुर्सी खाली उनका रोज इंतजार करती है।और विभाग पूरी तरह से राम भरोसे चल रहा है। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी नीतू त्रिवेदी जिलाधिकारी कार्यालय में दूसरे तल पर उनका कमरा है जहां विकलांग लोगों का पहुंच पाना असंभव है जिसके चलते विकलांगों को काफी निराशा है। विकलांग प्रकोष्ठ प्रदेश महासचिव तन्मय श्रीवास्तव बताया कि जब भी कार्यालय जाओ तो अधिकारी नदारत मिलते हैं और कोई जिम्मेदार अधिकारी स्पष्ट जवाब नहीं देता है आगामी 18 मार्च को सुबह 11 बजे लखनऊ विधानसभा में दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नरेंद्र कश्यप और दिव्यांग महागठबंध के पदाधिकारियों के साथ होने वाली अहम बैठक में अधिकारियों की चल रही मनमानी और विभागों में अनुपस्थित को भी रखा जाएगा। आज की बैठक में जिलाध्यक्ष बंसीलाल, जिला सचिव रामलाल, जिला मंत्री अनोखेलाल, जिला उपाध्यक्ष शाश्वत बाजपेई, अखिल गुप्ता, शुभम मिश्रा, रामू कश्यप आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कर–करेत्तर, राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक की

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मैनपुरी

मैनपुरी। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने कर-करेत्तर, राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा के दौरान नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि सर्किल रेट में वृद्धि के बावजूद स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन में राजस्व प्राप्ति की प्रगति संतोषजनक नहीं है, विद्युत विभाग के द्वारा इस वर्ष जनवरी में 25 करोड़ 18 लाख के राजस्व प्राप्त किया है जबकि गत वर्ष माह जनवरी में 26 करोड़ 18 लाख से अधिक की वसूली हुई थी, इस वर्ष माह जनवरी में 01 करोड़ कम राजस्व की प्राप्ति हुई है, वन विभाग की राजस्व वसूली विगत वर्ष के सापेक्ष ऋणात्मक में है, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इस माह के अंत तक निर्धारित राजस्व प्राप्ति के लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति करना सुनिश्चित करें। उन्होंने आबकारी विभाग की समीक्षा के दौरान पाया कि गत वर्ष के सापेक्ष इस वर्ष रू. 47 करोड़ राजस्व प्राप्ति में वृद्धि हुई है जबकि प्रवर्तन कार्य में मामूली वृद्धि हुयी है, 139 कराअपवंचन के प्रकरण थे जबकि इस वर्ष अब तक 144 पर कार्यवाही की गई है, जिस पर उन्होंने आबकारी अधिकारी को आदेशित करते हुए कहा कि आबकारी निरीक्षकों से निरंतर उनके क्षेत्र में स्थापित आबकारी दुकानों की सघन चेकिंग करायें, किसी भी दशा में अवैध शराब की बिक्री न हो, अवैध शराब के कारोबार मे संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जाए। अंजनी कुमार सिंह ने असंतोष व्यक्त करते हुए उप जिलाधिकारियों से कहा कि विभिन्न विभागों की लंबित आर.सी., मुख्य देय, विविध देय, बैंक देय, स्टांप देय की वसूली की प्रगति बेहद खराब है, विद्युत की लंबित आर.सी. की वसूली में तहसील घिरोर की स्थिति निराशाजानक है। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि साप्ताहिक रूप से अमीनों की वसूली की समीक्षा करें, जो सीजनल अमीन निर्धारित लक्ष्य से कम वसूली करें उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाए, वसूली में कोताही बरतने वाले स्थाई अमीनो पर भी कार्यवाही हो। उन्होने लंबित वादों की समीक्षा के दौरान नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि धारा-34, धारा-67 के पुराने वादों को उप जिलाधिकारी, राजस्व अधिकारी, तहसीलदार प्राथमिकता पर निस्तारित करें।जिलाधिकारी ने सहायक आयुक्त खाद्य को निर्देशित करते हुए कहा कि खाद्य विभाग द्वारा यद्यपि जनपद में प्रभावी कार्यवाही हो रही है फिर भी त्यौहार के दौरान सक्रिय रहकर निरंतर कार्यवाही हो ताकि उपभोक्ताओं को शुद्ध खाद्य सामग्री प्राप्त हो सके। उन्होंने ए.आर.टी.ओ., खनन निरीक्षक से कहा कि संयुक्त रूप से ओवरलोड वाहनों पर कार्यवाही करें, किसी भी दशा में जनपद में ओवरलोड वाहनों का संचालन न हो। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि बार-बार निर्देशों के बाद भी शिकायतों का मौके पर जाकर निराकरण नहीं किया जा रहा है और नांही शिकायतकर्ता से वार्ता की जा रही है, मौके पर न जाने पर तहसील भोगांव को 10 में से 02, तहसील कुरावली, घिरोर को 10 में से 06-06 एवं शिकायत के निस्तारण के उपरांत शिकायतकर्ता से वार्ता किये बिना निस्तारण आख्या अपलोड करने पर भी तहसील भोगांव को 10 में 04 अंक प्राप्त हुये हैं जिस कारण आईजीआरएस पोर्टल पर जनपद की रैंक में कमी आयी है। उन्होने नाराजगी व्यक्त करते हुये कहा कि शिकायत का मौके पर जाकर निराकरण किया जाये, कृत कार्यवाही पर शिकायतकर्ता के हस्ताक्षर भी कराये जायें, स्थल का फोटोग्राफ्स भी आख्या के साथ अपलोड किया जाये यदि शिकायतकर्ता निस्तारण से संतुष्ट न हो तो कारण उल्लेख किया जाये, किसी भी शिकायत की निस्तारण आख्या बिना शिकायतकर्ता से वार्ता किये अपलोड न की जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी राम जी मिश्र, अपर जिलाधिकारी न्यायिक ज्ञानेश्वर प्रसाद, डिप्टी कलेक्टर ध्रुव शुक्ला, नितिन कुमार, उप जिलाधिकारी सदर, भोगांव, किशनी, कुरावली, घिरोर अभिषेक कुमार, संध्या शर्मा, गोपाल शर्मा, राम नारायण, प्रसून कश्यप, जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार, उपायुक्त जी.एस.टी. मनोज यादव, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा डा. श्वेता सैनी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी जगदीश प्रसाद दीक्षित, तहसीलदार, अधिशाषी अधिकारी नगर निकाय सहित कलेक्ट्रेट के विभिन्न अनुभाग प्रभारी आदि उपस्थित रहे।

ड्रीमवर्ल्ड एंटरटेनमेंट सिटी : शहर का सबसे हॉटस्पॉट बना ड्रीमवर्ल्ड एंटरटेनमेंट सिटी

डिक्की के

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। कल्ची पश्चिम एरिया के ओमेक्स सिटी में ड्रीमवर्ल्ड एंटरटेनमेंट सिटी ने शहर में अपने दरवाजे खोल दिए हैं, जो शहर के सबसे नए और सबसे हॉटस्पॉट में से एक है। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आईएएस प्रमुख सचिव (पर्यटन एवं संस्कृति उप्र) मुकेश मेश्राम ने किया। आईएएस मुकेश मेश्राम उत्तर प्रदेश सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव हैं। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप में डिक्की के फाउंडर चेयरमैन पद्मश्री श्री मिलिंद कांबले, डिक्की के नेशनल वाइस प्रेसिडेंट संजीव डांगी और ओमेक्स लिमिटेड के बिजनेस हेड अंजनी पांडे उपस्थित रहे । यह एंटरटेनमेंट सिटी 5 एकड़ में फैली हुई है, जहां आपको पूरा एडवेंचर और थ्रिल एक्सपीरियंस मिलेगा। ड्रीमवर्ल्ड एंटरटेनमेंट सिटी का मुख्य आकर्षण डायनो वैली है, जहां विशाल आकार के असली जीवित डायनासोर देखने को मिलते हैं। इसके अलावा, यहां एडवेंचर राइड्स के लिए पेंट बॉल एरीना, एडवेंचर ज़ोन, ज़िप लाइनर, एटीवी बाइक्स और गो-कार्ट ट्रैक भी हैं। उद्घाटन के दौरान प्रमुख सचिव (पर्यटन एवं संस्कृति उप्र) मुकेश मेश्राम ने कहा, ÷हमें शहर में एक ऐसी जगह बनाने का अवसर मिला है जो लोगों को एडवेंचर और थ्रिल का अनुभव कराएगी। ड्रीमवर्ल्ड एंटरटेनमेंट सिटी शहर का सबसे पसंदीदा स्थान बन जाएगा।÷ युवाओं के लिए होगा एंटरटेनमेंट का नया आयाम ड्रीम वर्ल्ड एंटरटेनमेंट सिटी के फाउंडर चेयरमैन श्री मनीष वर्मा ने इसे मॉडर्न गैजेट्स में फंसे युवाओं के लिए एंटरटेनमेंट और फिजिकल एक्टिविटी का नया आयाम बताया । उन्होंने कहा यह इंटरटेनमेंट वर्ल्ड किफायती कीमतों में विशेष सुविधाओं से भरपूर है। आज तकनीक और इंटरनेट की दुनिया में फंसे युवा शारीरिक गतिविधि वाले खेलों से दूरी बना रहे हैं । जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में यह इंटरटेनमेंट वर्ल्ड युवाओं को खेलने और शारीरिक गतिविधि के लिए नया आयाम साबित होगा । जो डिजिटल वर्ल्ड में फंसे युवाओं को बाहर निकालने में मददगार साबित होगा । यह शुरुआत उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ के लिए मददगार होगी । ड्रीमवर्ल्ड एंटरटेनमेंट सिटी के कुछ खास आकर्षण:- डायनो वैली:- विशाल आकार के असली डायनासोर के साथ एक अनोखा अनुभव। - पेंट बॉल एरीना:- अपने दोस्तों के साथ पेंट बॉल खेलने का मौका। - एडवेंचर ज़ोन:- विभिन्न प्रकार के एडवेंचर राइड्स का अनुभव करें। - ज़िप लाइनर:- शहर के ऊपर से ज़िप लाइनर का अनुभव करें। - एटीवी बाइक्स:- एटीवी बाइक्स पर सवारी करने का मौका। - गो-कार्ट ट्रैक:- गो-कार्ट रेसिंग का अनुभव करें।

हज़रत ख़दीजा (स) की कुर्बानियाँ न क़ाबिले फरामोश : हुज्जतुल इस्लाम मौलाना अली अब्बास ख़ान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। ÷दीन और हम÷ क्लासेज़ में हज़रत ख़दीजा (स) की शहादत की तारीख़ के अवसर पर उनके गुणों और कष्टों का उल्लेख किया गया। इस अवसर पर ÷इमाम ज़माना (अज) और हम÷ क्लास में मौलाना अली अब्बास ख़ान ने हज़रत ख़दीजा (स) के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी इस्लाम की राह में कुर्बानियाँ और समर्पण अद्वितीय थे। उनका ईमान, उदारता और त्याग इस्लाम के प्रति उनकी अडिग निष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने यह भी बताया कि रसूल-ए-अकरम (स) ने हज़रत ख़दीजा (स) और हज़रत अबू तालिब (अ) के इंतकाल के साल को %आम-उल-हुज़्न% (दुःख का वर्ष) के नाम से जाना। हज़रत ख़दीजा (स) दुनिया की चार महान महिलाओं में से एक हैं, जिनका योगदान इस्लाम के इतिहास में अनमोल रहेगा।दीन और हम÷ क्लासेज़ शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित की जाती हैं, जिनमें सभी उम्र के लोग अतिथि के रूप में भाग ले सकते हैं। यह क्लासेज़ 2012 से आयोजित हो रही हैं और इनका उद्देश्य युवाओं को वास्तविक धार्मिक शिक्षा से परिचित कराना और उस पर अमल करने के लिए प्रेरित करना है।यह कार्यक्रम ऐनुल हयात ट्रस्ट द्वारा आयोजित किया जाता है और इसे हैदरी एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी, तं?ील अकादमी, जमातु? ?हरा, और ताहा फाउंडेशन के सहयोग से संचालित किया जाता है।

विवि के 32 छात्र सॉफ्टवेयर कम्पनी में चयनित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के 32 छात्रों का चयन अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी में हुआ है। चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय और डीन प्रोफेसर एके सिंह ने बधाई दी। प्लेसमेंट सेल के इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि मल्टी नेशनल कंपनी चेतु के रिक्रूटमेंट प्रोसेस के ऑनलाइन टेक्निकल टेस्ट, ग्रुप डिस्कशन और टेक्निकल इंटरव्यू को उत्तीर्ण कर बीटेक के 32 छात्रों का चयन सॉफ्टवेयर इंजीनियर पद पर हुआ। जिनमे बीटेक कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग के 13 छात्रों (आदित्य चौधरी, आदित्य गुप्ता, अक्षत गिरी, अशांकुर उपाध्याय, अंशुमान वर्मा, हिमांशु मॉल, ज्योति सिंह, तुषार सक्सेना, मयंक गुप्ता, राहुल वर्मा, रंजीत सिंह।

लुलु मॉल में मनाया गया सेफ्टी वीक

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मंगलवार को सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। रोड सेफ्टी, इलेक्ट्रिकल सेफ्टी, एस्केलेटर और एलिवेटर सेफ्टी, केमिकल हैंडलिंग सेफ्टी, और इमरजेंसी के दौरान सुरक्षा के उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अलावा, एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें आग से संबंधित सुरक्षा के मुद्दों पर जानकारी दी गई।इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से चीफ फायर ऑफिसर मगेश कुमार और फायर ऑफिसर पीजीआई मामचंद बड़गूजर की उपस्थिति रही, जिन्होंने आग से संबंधित सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया और लोगों को सचेत रहने की सलाह दी। लुलु मॉल के जनरल मैनेजर समीर वर्मा ने भी इस अवसर पर सुरक्षा के प्रति अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि ग्राहकों की सुरक्षा लुलु मॉल की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वे यह सुनिश्चित करते हैं कि शॉपिंग और मनोरंजन के साथ-साथ ग्राहकों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

पीएनसी कंपनी की कार्य प्रणाली से नाराज व्यापारियों ने डिवाइडर निर्माण का काम रुकवाया, आश्वासन के बाद शुरू हुआ काम

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर में कानपुर एलिवेटेड रोड निर्माण कार्य में लगी पीएनसी कंपनी की कार्य प्रणाली से नाराज गौरी बाजार के व्यापारियों ने सोमवार को डिवाइडर निर्माण का काम रुकवा दिया। इसको लेकर करीब 1 घंटे तक निर्माण कार्य ठप रहा। बाद में पीएनसी अधिकारियों और व्यापारियों के बीच चली वार्ता पर पीएनसी अधिकारियों के आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। गौरतलब है कि लखनऊ- कानपुर एलिवेटेड एक्सप्रेसवे रोड का निर्माण पीएनसी कंपनी द्वारा कराया जा रहा है। व्यापारियों का कहना है कि यह कार्य पीएनसी कंपनी द्वारा काफी लापरवाही तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सड़क के दोनों ओर नालों का निर्माण अभी तक पूरा नहीं हो पाया। जिससे रोड संकरा है और लोगों को आने-जाने में दिक्कत होती है। इसकी वजह से दुकानदारों की बिक्री भी प्रभावित हो रही है।

उनका कहना है कि अगर नाला निर्माण कार्य पूरा हो जाए तो रास्ता चौड़ा हो जाएगा। साथ ही नाला अधूरा होने के कारण जो ग्राहक दुकान पर काफी दूर से घूम कर आते हैं। उन्हें भी दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने बताया कि बिना नाला निर्माण कार्य पूरा किए पीएनसी कंपनी ने यहां कानपुर एलिवेटेड एक्सप्रेसवे फ्लाईओवर के नीचे कानपुर रोड पर डिवाइडर बनाना शुरू कर दिया। डिवाइडर बन जाने से दुकानों पर खरीदारी करने आने वाले ग्राहकों को सड़क पार करने में दिक्कत होगी। बताते हैं कि सोमवार सुबह यहाँ डिवाइडर का कार्य चल ही रहा था। तभी करीब 10 बजे स्थानीय व्यापार मंडल के पदाधिकारी राकेश सिंह बबलू के नेतृत्व में तमाम दुकानदार मौके पर पहुंच गए और डिवाइड निर्माण का कार्य रुकवा दिया। वह डिवाइडर खोलने की मांग करने लगे। उनका कहना था कि इसकी वजह से यहां वैसे ही आए दिन जाम के हालात बने रहते हैं। ऊपर से सड़क के किनारे जगह जगह बेतरतीब फैली पड़ी निर्माण सामग्री की वजह से लोग चोटिल भी होते रहते हैं। वहीं इसकी जानकारी पीएनसी कंपनी के प्रोजेक्ट हेड दिलीप कुमार मौके पर पहुंचे। लेकिन उन्हें व्यापारियों के विरोध का सामना करना पड़ा। बाद में काफी देर तक चली वार्ता के बाद प्रोजेक्ट हेड दिलीप ने प्रत्येक तीन पिलर के बाद सड़क पार करने के लिए एक कट छोड़ने का आश्वासन दिया। तब व्यापारियों का विरोध समाप्त हुआ। लेकिन इस दौरान व्यापारियों ने अधिकारियों से निर्माण कार्य में तेजी लाने और ग्राहकों की आवाजाही के लिए बाजार में उचित स्थान पर डिवाइडर खोलने की मांग की। बताते चलें कि बीते दिनों जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर ने भी यहां का दौरा कर जाम से निपटने के लिए संबंधितों को जरूरी दिशा निर्देश दिए थे।

समाचार

अजगर दिखाई देने से मचा हड़कंप,वन विभाग की टीम ने 10 अजगर पकड़े

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बिजनौर क्षेत्र में सोमवार को अचानक एक साथ कई अजगर दिखाई देने से हड़कंप मच गया। इतने सारे अजगर देखने के लिए कुछ देर में ही लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना के बाद पहुंची वन विभाग की टीम ने 10 अजगर पकड़े हैं। इनमें से कुछ बाहर और कुछ भारी भरकम बिल में घुसे थे। सरोजनीनगर वन रेंज की बीट प्रभारी प्रीति त्रिपाठी के मुताबिक सोमवार सुबह करीब 9 बजे बिजनौर के नटकुर गांव में रहने वाला पंकज अपने खेत से वापस घर लौट रहा था। तभी गांव से कुछ दूर किसान पथ स्थित सड़क के पास उसे एक साथ कई अजगर दिखाई पड़े। जिससे वह दहशत में आ गया और वहां से डर कर काफी दूर भाग खड़ा हुआ। उसने इसकी सूचना गांव वालों को दी। कुछ देर में ही अजगर देखने के लिए गांव वालों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। बाद में इसकी सूचना सरोजनीनगर वन रेंज कार्यालय में दी गई। इसके बाद बीट प्रभारी प्रीति त्रिपाठी और फारेस्टर राजेश कुमार के नेतृत्व में पहुंची वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर बाहर झाड़ियों के पास घूम रहे पांच अजगर पकड़कर बोरी में भर लिए। रेस्क्यू के दौरान कुछ अजगर भारी भरकम बिल में घुसे दिखाई पड़े। तब एक-एक करके टीम ने उन्हें भी बाहर निकाला। प्रीति त्रिपाठी के मुताबिक टोटल यहां 10 अजगर पकडे गए हैं। इसमें 9 इंडियन रॉक पॉइथन और एक कॉमन वुल्फ स्नेक है। इसमें से सबसे छोटे अजगर की लम्बाई करीब 7 फीट और सबसे बड़े अजगर की लम्बाई लगभग 17 फीट है। बाद में पकड़े गए सभी अजगरों को कुकरैल जंगल में छोड़ दिया गया।

अनागत काव्य/सम्मान समारोह संपन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अखिल भारतीय अनागत साहित्य संस्थान के तत्वाधान में अनागत कार्यालय में अनागत काव्य/सम्मान समारोह आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर लालता प्रसाद गुर्जर लखनवी ने की। मुख्य अतिथि सुनील बाजपेई, विशिष्ट अतिथि महेश शर्मा रहे।कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉक्टर प्रवीण पांडेय आवारा ने किया। इस अवसर पर संस्थाध्यक्ष डॉक्टर अजय प्रसून द्वारा वरिष्ठ साहित्यकार राम लखन यादव पवन कौशाम्बी को अनागत मार्तंड सम्मान एवं डॉक्टर तारिका सिंह नूर को अनागत कविता चंद्रिका सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर लालता प्रसाद कर्नल गुर्जर लखनवी, डॉक्टर तरीका सिंह नूर, डॉक्टर अजय प्रसून ,डॉक्टर सुनील बाजपेई,डॉक्टर सुशील अवस्थी, राम लखन यादव पवन कौशाम्बी, महेश शर्मा, डॉक्टर प्रवीण पांडेय आवारा, डॉक्टर तारिका सिंह नूर, राम सनेही सजल, राम राज भारती, महेश शर्मा,राम हर्ष यादव हर्ष, विजय शंकर अवशेष, डॉक्टर हिमांशु सक्सेना अर्श लखनवी, डॉक्टर राकेश प्रताप सिंह, कुलदीप शुक्ला अंतस, अरविंद रस्तोगी, आनंद रस्तोगी, नमिता सिंह नमी, उमा लखनवी ने अपने गीत, गजल, छंद, मुक्तक एवं कविताओं से सबका भाव विभोर कर दिया। अंत में राम राज भारती ने संस्था की ओर से सभी आगंतुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

किसान की जमीन पर बनी रेडीमेड बाउंड्री ध्वस्त करने का आरोप

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

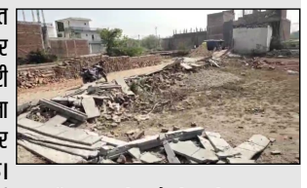

लखनऊ। सरोजनीनगर में बीती रात कुछ लोगों ने एक किसान की जमीन पर बनी रेडीमेड बाउंड्री ध्वस्त कर दी। जानकारी होने के बाद पीड़ित ने मामले की सूचना सरोजनीनगर पुलिस को दी। पुलिस तहरीर लेकर आगे की कार्रवाई कर रही है। सरोजनीनगर के गौरी निवासी गुरु प्रसाद के मुताबिक उनकी पुस्तैनी जमीन स्कूटर इंडिया पेट्रोल पंप के सामने है। गुरु प्रसाद का कहना है कि इस जमीन के चारों ओर बीते दिनों उन्होंने सीमेंटेड बाउंड्री वॉल कराई थी। गुरु प्रसाद का आरोप है कि बीती रात मनोज भार्गव नामक प्रॉपर्टी डीलर ने उक्त बाउंड्री वॉल जेसीबी से गिरवा दी। गुरु प्रसाद की माने तो मंगलवार सुबह जानकारी होने पर जब वह वहां पहुंचे तो अगल-बगल रहने वाले लोगों से पता चला कि रात 12 बजे के बाद काली रंग की एक स्कॉर्पियो से पहुंचे लोगों ने जेसीबी से बाउंड्री वॉल को गिरा दिया। गुरु प्रसाद ने बाउंड्री वॉल गिरने से करीब 3 लाख रुपए का नुकसान होना बताया है। इस मामले में उन्होंने एक महिला सहित तीन अन्य लोगों पर भी आरोपी की मदद करने का आरोप लगाते हुए इसकी लिखित तहरीर सरोजनीनगर थाने में दी। सरोजनीनगर प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम प्रजापति का कहना है कि दोनों पक्षों का काफी पुराना विवाद है। इस मामले की जांच रिपोर्ट तहसील अधिकारियों को दे दी गई है। तहसील अधिकारियों का निर्देश मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ठाकुरगंज पुलिस ने परिवार को लौटाई खुशियां

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। ठाकुरगंज पुलिस ने मंदबुद्धि 15 वर्षीय लापता किशोर को दो महीने बाद दुबग्गा चौराहे से सकुशल बरामद कर परिवार से मिलाया। किशोर की मां ने ठाकुरगंज प्रभारी को अपने बेटे के लापता होने की सूचना दी थी, जिसके बाद पुलिस टीम बनाई और किशोर की तलाश शुरू की।पुलिस ने कई इलाकों के सीसीटीवी फुटेज चेक किए, सोशल मीडिया का सहारा लिया, और विभिन्न स्थानों पर तलाश की, जिसके बाद उन्हें सफलता मिली। अंतत मे किशोर को सकुशल बरामद कर उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।किशोर को वापस पाकर उसकी मां और अन्य परिवार के सदस्यों ने पुलिस टीम की मेहनत और कार्य की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। इस ऑपरेशन में चौकी प्रभारी रिंग रोड अन्य सिपाही की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

देश व्यापी हड़ताल से पहले बैंक कर्मियों का कार्यालयों पर किया प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर 24 एवं 25 मार्च को होने वाली देशव्यापी बैंक हड़ताल के पूर्व आज अनेक राष्ट्रीयकृत बैंकों के मुख्य कार्यालयों पर सायंकाल बैंक कर्मियों ने अपनी मांगों के लिए प्रदर्शन व सभाएं की। फोरम के जिला संयोजक अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि बैंककर्मियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग कार्य सप्ताह करने, अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करने, सभी संवर्ग में पर्याप्त भर्ती करने, ग्रेच्युटी सीमा 25 लाख करने, स्थाई नौकरियों की आउटसोर्सिंग बंद करने आदि मांगों के लिए प्रदर्शन एवं सभाएं की। प्रदर्शन को वाई के अरोड़ा, अजय पाण्डेय, अनिल गौतम, एस के संगतानी, लछमण सिंह, मन मोहन दास, वी के माथुर, एस डी मिश्रा, संदीप सिंह, राजीव सेंगर, बी डी पाण्डेय, मनीष कांत, शकील अहमद, आर एन शुक्ला, ललित श्रीवास्तव, आशुतोष वर्मा, शिव कुमार सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव, एम जेड हसन, बृजेश तिवारी, नंदू त्रिवेदी, अभिषेक तिवारी, करूणेश शुक्ला, कीर्तिवर्धन, अंकुर अग्रवाल, प्रभाकर कुशवाहा, तारकेश्वर चौहान, आकाश शर्मा आदि ने सभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और आईबीए द्वारा हमारी मांगे जल्दी पूरी न किए जाने पर हम लंबे संघर्ष के लिए तैयार हैं।

एल यू की प्रो-वाइस चांसलर ने छात्रों के साथ मनाया होली

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो-वाइस चांसलर ने आईएमएस के छात्रों के साथ होली का त्यौहार मनाया। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस) ने आदरणीय प्रो-वाइस चांसलर प्रोफेसर मनुका खन्ना की उपस्थिति में रंगारंग होली उत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर ओएसडी आईएमएस, प्रोफेसर विनीता काचर ने प्रो-वाइस चांसलर का स्वागत किया और कार्यक्रम की सराहना की।कार्यक्रम में छात्रों ने मंचीय प्रस्तुतियां दीं, जिनमें गायन, नृत्य और कविता के कार्यक्रम शामिल थे। छात्रों द्वारा रंगों और रंगोली के साथ होली का जश्न मनाया गया। इस रंगारंग उत्सव में विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, संकाय सदस्यों,कर्मचारियों और छात्रों ने पूरे उत्साह और उल्लास के साथ भाग लिया।

एलडीए में भ्रष्टाचार का बोलबाला, सील निर्माण पर फिर चढ़ा डीलिंग का रंग!

- मुख्यमंत्री के सपनों पर पानी फेर रहा एलडीए
- होली के नाम पर जमकर वसूली, अवैध निर्माणों को संरक्षण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण में भ्रष्टाचार और अवैध निर्माण का यह मामला बेहद गंभीर और निंदनीय है। रकाबगंज, कुंडली शास्त्री नगर में ललित कान्वेंट स्कूल के सामने सील की गई इमारत पर अधिकारियों द्वारा ÷डीलिंग÷ के माध्यम से निर्माण जारी रखना, कानून का खुला उल्लंघन है। यह न सिर्फ भ्रष्टाचार का जीता-जागता उदाहरण है, बल्कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के %भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश% के सपने को भी चकनाचूर करता है। बिल्डिंग पर आगे से सीलिंग का दिखावा है, लेकिन पीछे से निर्माण कार्य बेधड़क चल रहा है। अधिकारियों और बिल्डरों की साठ-गांठ से होली के नाम पर जमकर वसूली की जा रही है। शिकायतों के बावजूद एलडीए की निष्क्रियता, अधिकारियों की मिलीभगत को उजागर करती है। अधिकारियों की मिलीभगत से बिल्डरों द्वारा होली के नाम पर अवैध वसूली करना, उनकी नैतिकता और ईमानदारी पर सवाल खड़े करता है। बार-बार शिकायतों के बावजूद एलडीए द्वारा कार्रवाई न करना, उनकी कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि एलडीए के अधिकारी कानून और जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भूल चुके हैं और सिर्फ अपनी जेबें भरने में लगे हैं। यह अस्वीकार्य है कि एलडीए के अधिकारी मुख्यमंत्री के आदेशों की खुलेआम अवहेलना कर रहे हैं और भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। इस मामले की तत्काल उच्च-स्तरीय जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अवैध निर्माण को तुरंत ध्वस्त किया जाना चाहिए और एलडीए की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

संपादकीय

सतरंगी जीत

होली से पहले ही हमारी क्रिकेट टीम ने चौंपियंस ट्रॉफी जीतकर उल्लास-उमंग का ऐसा रंग दिया कि हर भारतीय निखर उठा। होली से पहले देश में दिवाली का भी जश्न मना। देश के कोने-कोने ही नहीं, दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में खूब तिरंगे लहराये। वहां तन-मन पर तिरंगे अहसास मुखरित हुए। निरंतर जीत की लय में नजर आ रही टीम ने देश की धड़कनों को उस समय ऊंचाई दी जब फाइनल मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया। एक ऐसी जीत जिस पर हर भारतीय गर्व कर सके। यह भारतीय क्रिकेट डिप्लोमेसी की भी बड़ी जीत थी, जिसने बताया कि क्रिकेट जगत में भारत के दखल का कोई विकल्प नहीं है। इस बार चौंपियन ट्रॉफी का आयोजक पाकिस्तान था, जिसने स्टेडियम तैयार करने और अपनी धरती पर यह वैश्विक स्पर्धा आयोजित करने को जी-जान लगायी और पैसा खर्च किया। लेकिन बावजूद इसके आईसीसी में भारतीय वर्चस्व के चलते हमारी टीम ने कोई भी मैच पाकिस्तान में नहीं खेला। भारत ने सारे मैच तीसरे देश दुबई में खेले। फिर चौंपियंस ट्रॉफी भी जीत ली। पाकिस्तान के हुक्मरान व क्रिकेट के कर्ता-धर्ता मन मसोस कर रह गये। बहरहाल, भारतीय टीम का दस महीनों में यह दूसरा विश्व खिताब है। भारत ने जून, 2024 को टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था। कप्तान रोहित शर्मा को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उनकी कप्तानी में देश ने दूसरा आईसीसी टूर्नामेंट जीता। सही मायनों में फाइनल में उन्होंने कप्तान की पारी खेली और शानदार-धुआंधार 76 रन बनाये। निश्चित रूप से फाइनल मैच में स्पिनरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके कसे शिकंजे का ही नतीजा था कि न्यूजीलैंड को 251 पर बांध दिया गया। फिर रोहित की पारी के अलावा श्रेयस अय्यर व केएल राहुल की शानदार पारियों ने टीम को जीत के मुहाने तक पहुंचाया। ओपनर्स रोहित शर्मा और शुभमन गिल की रिकॉर्ड शतकीय साझेदारी ने टीम में जीत का जज्बा पैदा किया। दोनों धुरंधरों ने पहले विकेट के लिये 105 रन जोड़े। बहरहाल, बारह साल बाद चौंपियंस ट्रॉफी में जीता खिताब भारतीयों को उल्लास से भर गया। वहीं टीम ने चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में पच्चीस साल पहले न्यूजीलैंड के हाथों मिली हार का भी बदला ले लिया। सुखद यह भी है कि हमारी टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। उससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारतीय टीम तीन बार चौंपियंस ट्रॉफी जीतकर टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीम बन गयी। यह भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिये निश्चय ही गर्व की बात है। इस टूर्नामेंट की एक खास उपलब्धि रही मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की खोज। वे शुरुआत में प्रस्तावित टीम का हिस्सा नहीं थे। लेकिन उन्होंने खुद को साबित किया और विरोधियों को उन्हें समझने में खासी दिक्कत का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की उपलब्धि यह भी है कि उसने आईसीसी इवेंट्स में पिछले 14 मैच लगातार जीते हैं। गर्व का पल यह भी है कि भारत के पास एक ही समय में टी-20 विश्व कप और चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब है। दुनिया की ऐसी अनुभवी टीम जिसमें रोहित शर्मा व विराट कोहली के पास नौ आईसीसी फाइनल खेलने का रिकॉर्ड है। बहरहाल, इस मैच में भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को इस बात को लेकर निराशा जरूर हुई होगी कि पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे विराट कोहली फाइनल मुकाबले में सिर्फ दो गेंदों का ही सामना कर पाए। लेकिन श्रेयस अय्यर व केएल राहुल ने इस कमी को पूरा किया। बहरहाल, टॉस के मामले में अनलकी रहने वाले रोहित शर्मा ने होली से पहले क्रिकेट की जीत के रंग में भारतीयों को सराबोर कर दिया। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय टीम ने अपनी जमीन पर वर्ष 2023 के वर्ल्ड कप में मिली पराजय के बाद जीत का जबरदस्त जज्बा पैदा किया। तब लगातार दस मैच जीतने के बाद भारतीय टीम फाइनल में हार गई थी। लेकिन टीम ने वैसी गलती फिर नहीं दोहरायी। पहले 2024 में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप जीता और अब चौंपियंस ट्रॉफी। यह जीत की लय बनी रहे।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट शुरू, टैरिफ को लागू होने में समय लगेगा

तेल की कीमतें गिरकर अक्टूबर 2024 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गयी हैं और सभी संकेतों से लगता है कि गिरावट अभी खत्म नहीं हुई है। ब्रेंट पहले ही 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर चुका है क्योंकि बाजार आपूर्ति में कमी का भार महसूस कर रहा है। ओपेक बैरल पहले से ही अच्छी आपूर्ति वाले सिस्टम में बाढ़ ला सकते हैं, जिससे किसी भी सार्थक मूल्य सुधार पर रोक लग सकती है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रतिबंधों और टैरिफ से प्रत्याशित आपूर्ति घाटे को अभी तक प्रशासन के उतार-चढ़ाव को देखते हुए गंभीर नहीं माना गया है। कीमतों का एशियाई उपभोक्ताओं पर पहले से ही सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सऊदी अरब ने एशिया की कीमतों में और कटौती की घोषणा की है, क्योंकि वह उत्पादक कीमतों में गिरावट के बावजूद अपने बाजार शेयरों की रक्षा करना चाहता है। विश्लेषकों ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि ओपेक द्वारा बैरल की क्रमिक वापसी और अमेरिकी टैरिफ के अनिश्चित प्रभावों के कारण तेल बाजार मंदी की भावनाओं से जूझ रहा है। नीति अनिश्चितता और अधिक आपूर्ति के बीच संवेदनशील संतुलन से पता चलता है कि जब तक मांग में सुधार नहीं होता या उत्पादन में कटौती नहीं की जाती, कीमतों में सुधार के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। अमेरिकी टैरिफों की शुरुआत, विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रम्प की उतार-चढ़ाव वाली टैरिफ नीतियों ने बाजार में महत्वपूर्ण अस्थिरता और निवेशक अनिश्चितता पैदा की है। अमेरिकी डॉलर कमजोर हुआ, जिससे यूरो में वित्तीय संकट के बाद से सबसे बड़ी साप्ताहिक वृद्धि हुई। यूरोप में, शेयर बाजारों में गिरावट आई, जो जर्मनी में नरम फैक्टरी डेटा और टैरिफ-संबंधी चिंताओं से बढ़ी व्यापक आर्थिक चिंताओं को दर्शाती है। वैश्विक व्यापार तनावों ने चीन को भी प्रभावित किया है, बढ़ते व्यापार युद्ध की आशंकाओं के बीच इसके आयात में काफी गिरावट आई है, जिससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर और असर पड़ा है। रूस के उप प्रधानमंत्री की टिप्पणियों के बाद कीमतों में थोड़ी तेजी देखी गयी, जिसमें सुझाव दिया गया कि ओपेक+ तेल उत्पादन बढ़ाने के अपने फैसले को पलट सकता है। अप्रैल में अधिक तेल पंप करने की योजना के बावजूद, ब्रेंटक्रूड की कीमतें 71 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गयीं। अपने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को फिर से भरने के लिए 20 बिलियन डॉलर का तेल खरीदने के अमेरिकी इरादे ने भी कीमतों को बढ़ाया। अपने उत्पादन में वृद्धि के बाद उत्पादन में कटौती करने की कजाकिस्तान की प्रतिज्ञा ने बाजार की जटिलता को और बढ़ा दिया। लेकिन यह बरकरार नहीं रह सका क्योंकि संभावित तेल की अधिकता और अमेरिकी आर्थिक स्वास्थ्य और व्यापार शुल्कों के प्रभाव को लेकर चिंता बनी रही। विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिकी विकास और चीनी मांग अनिश्चित हैं। 2025 की शुरुआत में चीन के तेल आयात में 5 प्रतिशत की गिरावट आयेगी। इसके बावजूद, एक छोटा चीनी भंडार कीमतों में महत्वपूर्ण गिरावट को रोक सकता है। ईरान के खिलाफ हाल ही में अमेरिकी नीतिगत उपायों के बावजूद, जिसमें उसके तेल निर्यात को रोकने की योजना भी शामिल है, ओपेक और गैर-ओपेक उत्पादकों से आपूर्ति में वृद्धि के कारण बाजार में गिरावट का जोखिम है। ओपेक+ ने अप्रैल से प्रतिदिन 138,000 बैरल उत्पादन वृद्धि की घोषणा की, जिससे आपूर्ति की अधिकता की चिंता बढ़ गयी।क्सिको और कनाडा पर अमेरिकी टैरिफ की धमकियों और ओपेक+ द्वारा अप्रैल में उत्पादन फिर से शुरू करने की योजना की पुष्टि के कारण कीमतों में गिरावट आई है। टैरिफ जो शुरू में प्रभावी होने वाले थे, अब स्थगित कर दिये गये हैं, जिससे कीमतों में थोड़ी तेजी आई है, लेकिन कच्चे तेल पर दबाव बना हुआ है।

चौंपियंस ट्राफी, मैदान के बाहर की कुछ बातें

“12 साल के लंबे इंतजार के बाद 9 मार्च को भारतीय क्रिकेट टीम ने चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत लिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया तीन चौंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गई है”

12 साल के लंबे इंतजार के बाद 9 मार्च को भारतीय क्रिकेट टीम ने चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत लिया है। इसके साथ ही टीम इंडिया तीन चौंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम ने यह जीत दर्ज की, जिसमें कप्तान रोहित शर्मा ने यादगार पारी खेली। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 10 महीने के अंदर दूसरे आईसीसी खिताब पर कब्जा जमाया है। इससे पहले जून 2024 में भारत ने बारबाडोस में टी-20 विश्वकप भी जीता था। इस टूर्नामेंट में खास बात यह रही कि भारतीय टीम को कोई शिकस्त नहीं दे पाया, उसने अपना हर मैच जीता। इस तरह 2002 में सौरव गांगुली और 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चौंपियन बनने के बाद भारत ने अब रोहित शर्मा की कप्तानी में कमाल किया है। भारतीय टीम की इस शानदार जीत पर पूरे देश में जश्न का माहौल रहा, लेकिन इस पूरे टूर्नामेंट के दौरान ऐसे कई वाकये हुए, जो कड़वी यादें छोड़ गए। देश में एक बड़े तबके के लिए क्रिकेट धर्म की तरह बन चुका है और अब इस धर्म पर भी राजनीति होने लगी है। रविवार को ही जब दुबई के मैदान से लेकर देश में तमाम जगहों पर लोग खुशियां मना रहे थे, तब मध्यप्रदेश के महू में यह खुशी हिंसा में बदल गई। बताया जा रहा है कि कुछ

युवाओं ने भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए महू में एक रैली रात को निकाली थी। यह रैली जब जामा मस्जिद क्षेत्र के पास पहुंची तो उत्तेजक नारों और तेज संगीत के बीच वहां पथराव शुरू हो गया। उस समय जामा मस्जिद के अंदर लोग तरावीह की नमाज अदा कर रहे थे। पथराव से स्थिति बेकाबू हो गई। इस बीच जामा मस्जिद के सामने खड़ी बाइकों, कारों और अन्य वाहनों में आग लगाई गई, जिससे तनाव और बढ़ गया। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात पर काबू कर लिए, और अब जांच की जा रही है कि आखिर हिंसा भड़कने की नौबत क्यों आई। हालांकि अनुमान लगाया जा सकता है कि जब मस्जिद में नमाज हो रही हो, तब बाहर किस किस्म के नारे लगे होंगे या गाने बजे होंगे, जिससे स्थिति बिगड़ गई। यह पहली बार नहीं है जब मस्जिद के सामने इस तरह का अप्रिय शोर किया गया है। दुबई में जो जीत मिली, उसमें सारे खिलाड़ियों ने धर्म, जाति या ओहदे से परे एक टीम की तरह प्रदर्शन किया है। और यह केवल क्रिकेट में नहीं होता है, सारे खेलों में इसी तरह टीम और खेल भावना के साथ ही जीत सुनिश्चित होती है। मगर देश में अब क्रिकेट में धर्म और राष्ट्रवाद का अनावश्यक घालमेल कर माहौल बिगाड़ा जा रहा है। इसी टूर्नामेंट में मोहम्मद शमी ने सेमीफाइनल मैच के दौरान पानी या जूस पीया तो उस पर भी बेवजह विवाद खड़ा हो गया। रमजान के पवित्र माह में एक मुसलमान के पानी पीने पर धर्म की दुहाइयां दी जाने लगीं। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि रमजान के दौरान ऐसी हरकत अपराध है। हालांकि बहुत से लोग शमी के समर्थन में आए, इनमें से एक जाने-माने गीतकार और लेखक जावेद अख्तर ने कहा, शशमी साहब आप उन कट्टर मूर्खों की परवाह मत कीजिए, जिन्हें क्रिकेट मैच के दौरान मैदान पर आपके पानी पीने से परेशानी है।श् वहीं अब इस मामले पर पाकिस्तान से भी प्रतिक्रिया आई है। पूर्व पाक कप्तान इंजमाम उल हक ने कहा कि खेलते हुए रोजा रखना मुश्किल है। हम लोगों का भी अपना अनुभव है। रोजे के दौरान मैच होता था तो वाटर ब्रेक के दौरान पाकिस्तान की टीम स्क्रीन के पीछे चली जाती थी। वहीं पानी पी लेते थे। इसी तरह पूर्व पाक क्रिकेटर सकलैन मुश्ताकघ् ने कहा, शमुझे समझ में नहीं आता है कि इन चीजों पर क्यों ध्यान देते हैं। हमें इस पर ध्यान देना चाहिए कि अच्छे इंसान बनें और सकारात्मक चीजों को लेकर आगे बढ़ें। हम आजकल सोशल मीडिया पर ऐसी बातों पर बहस कर रहे हैं, जिनसे रत्ती भर भी फायदा नहीं है। न केवल पाकिस्तान में बल्कि इंडिया के साइड में भी ऐसी चीजें बढ़ रही हैं। वैसे मोहम्मद शमी को लेकर अनावश्यक विवाद पहले भी खड़े करने की कोशिश की गई है, उसका कारण यही है कि वे एक मुसलमान हैं। पहले भी भारतीय टीम में मुस्लिम खिलाड़ी होते थे, लेकिन तब बातों का बतंगड़ बनाने के लिए सोशल मीडिया नहीं था, न ही दिमाग में इस कदर नफरत भरी थी। हालांकि अब भी खिलाड़ी नफरत पर मोहब्बत की इबारत लिख रहे हैं। दुबई से एक बड़ा प्यारा वीडियो सामने आया है, जिसमें विराट कोहली को बधाई देने जब मो.शमी की मां आईं तो विराट कोहली ने उनके पैर छुए, फिर साथ में तस्वीरें खिंचाई। यह बड़ी सामान्य सी बात है, लेकिन आज के दौर में ऐसे वाकए काफी खास हो चुके हैं। फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए कप्तान रोहित शर्मा को मैन ऑफ द मैच का खिताब भी मिला। उन्होंने अपने खेल और कप्तानी दोनों से काम बोलेगा, हम नहीं, वाली बात को साबित कर दिखाया है। रोहित शर्मा को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, क्योंकि कांग्रेस नेता और प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने उनके मोटापे पर टिप्पणी की थी। इसे निजी विचार बताकर कांग्रेस ने किनारा किया था और खुद शमा मोहम्मद ने भी अपने ट्वीट डिलीट कर लिए थे, उनका यह कहना था कि वे केवल सेहत की बात कर रही हैं और किसी का अपमान करने का इरादा उनका नहीं था। इस मुद्दे को भाजपा ने स्वाभाविक तौर पर लपका और कांग्रेस से जवाब मांगे, राजनीति में ऐसा ही होता है।

एकता का स्वांग, बंटवारे की भाषा!

राजेंद्र शर्मा

भाषा के प्रश्न पर और खासतौर पर क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे पर, दक्षिण भारत एक बार फिर गर्म हो रहा है। इसका उबाल तमिलनाडु में खासतौर पर ज्यादा है, जहां पहले भी 1960-70 के दशकों में, भाषायी प्रश्न पर उग्र विरोध सामने आया था। बहरहाल, कम से कम इस बार भाषा विवाद का जोर पकड़ना इस अर्थ में अनावश्यक था कि यह विवाद केवल केंद्र सरकार के इकतरफा कदमों और इकतरफा फैसलों पर प्रतिक्रिया के रूप में भड़का है। यह कोई संयोग ही नहीं है कि साठ-सत्तर के दशकों को पीछे छोड़कर देश अगर बाद के दशकों में भाषायी अशांति से बहुत दूर निकल आया था, तो इसमें भाषायी विवाद में सामने आयी संवेदनाओं के प्रति, बाद में आयी केंद्र सरकारों के संवेदनशीलता प्रदर्शित करने का भी हाथ था। लेकिन, मोदी राज में इस तरह की संवेदनशीलता की जगह, मराठी की संज्ञा का उपयोग करें तो केंद्र और सत्ताधारी ताकतों की ठोकशाही ने ले ली है। इसका नतीजा साठ-सत्तर के भाषायी विवाद के साए फिर से सिर पर मंडरा रहे होने के रूप में सामने है। जैसाकि सभी जानते हैं, विवाद के वर्तमान चक्र की शुरूआत केंद्र सरकार द्वारा इकतरफा तरीके से तमिलनाडु के शिक्षा से संबंधित फंड रोके जाने के साथ हुई थी। इस सिलसिले को चलते करीब दो साल हो जाने और राज्य का इस तरह रोका गया फंड दो हजार रुपए से ऊपर निकल जाने के बाद, अब तक शिष्टता से इस मुद्दे को उठाती रही तमिलनाडु सरकार को, विरोध का अपना स्वर ऊंचा करना पड़ा। लेकिन, मोदी सरकार को इस तरह के किसी विरोध की सुनवाई करना तो दूर रहा, विरोध की ऐसी आवाज को बर्दाश्त करना भी मंजूर नहीं होता है। राज्य के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जा रहा है, कहने की रस्म-अदायगी के फौरन बाद, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने फंड रोके जाने के लिए तमिलनाडु को ही यह कहकर दोषी ठहराना शुरू कर दिया कि समस्या उसके ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू न करने में है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो, फंड खुद ब खुद आ जाएंगे! कहने की जरूरत नहीं है कि यह केंद्र के हाथों से निकलने वाले, केंद्रीय कार्यक्रमों के फंड को, राज्यों पर नीतिगत मामलों में बड़ी नंगई से केंद्र सरकार की मनमर्जी थोपे जाने का औजार बनाए जाने का ही मामला है। यह देश की संघीय व्यवस्था के खिलाफ है, जिसकी इजाजत देश का संविधान नहीं देता है। कोई भी स्वाभिमानी राज्य, केंद्र के इस तरह मनमर्जी थोपने का विरोध करेगा। और शिक्षा जैसे मामलों में, जो संविधान की समवर्ती सूची में आने के बावजूद, मुख्यतरू राज्य के अधिकार का विषय बना हुआ है, केंद्र की ऐसी मनमानी तो हर्गिज स्वीकार नहीं की जा सकती है। लेकिन, मोदी राज में तो केंद्र के इस तरह की मनमर्जी चलाने को ही सामान्य बनाने की कोशिश की जा रही है। कथित राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शुरू से आखिर तक, ऐसी मनमानी का ही उदाहरण है। संघ-भाजपा के विशेष एजेंडे और हिंदुत्व-कारपोरेट गठजोड़ को आगे बढ़ाने के स्पष्ट्ट उद्देश्य के साथ, इस शिक्षा नीति को सूत्रबद्ध करने की कई साल लंबी कसरत से, राज्यों को बाहर ही रखा गया था, जो अन्य चीजों के अलावा इस कसरत का इस देश की समृद्ध विविधता से विमुख बने रहना ही सुनिश्चित करता था। दूसरी ओर, संबंधित कमेटी में शुरू से ही कारपोरेट नजरिए का बोलबाला सुनिश्चित किया गया था। इस तरह सरासर गैर-प्रतिनिधि तरीके से, संघ-कारपोरेट गठजोड़ के आग्रहों को आगे ले जाने का पूरा बंदोबस्त करने और छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों आदि, शिक्षा में सबसे ज्यादा हित-रखने वाले सभी तबकों की आवाजों को बाहर रखने के बाद, एक दक्षिणपंथी विचारधारात्मक आग्रहों से लदा मसौदा तैयार करने के बाद, रस्मअदायगी के तौर पर लोगों की राय लेने के लिए रखा जरूर गया, लेकिन जैसाकि पहले से अनुमान लगाया जा सकता था, विभिन्न हितधारकों की रायों को और तमाम आलोचनात्मक रायों को, सिरे से अनसुना कर दिया गया। इसके ऊपर से, 1968 तथा 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों के विपरीत, इस शिक्षा नीति को सीधे केंद्र द्वारा इकतरफा तरीके से देश पर थोप दिया गया। इस नीति पर न सिर्फ राज्यों की कोई राय नहीं ली गयी, राज्यों को साथ लेकर चलना तो उसकी दृष्टि में भी नहीं था। उल्टे केंद्र ने पूरे देश की ओर से नीति बनाने का अधिकार खुद ब खुद अपने को दे दिया था। इसके ऊपर से, संसद को भी इस प्रक्रिया में कोई भूमिका नहीं दी गयी और इस तरह वृहत्तर राजनीतिक राय को इस समूची प्रक्रिया से दूर ही रखा गया। केंद्र सरकार ने ही कमेटी का गठन किया और उसी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपनी मंजूरी से, देश पर थोप भी दिया। हैरानी की बात नहीं है कि गैर-भाजपायी राज्यों में इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनेक पहलुओं को विभिन्न स्तरों पर उपेक्षा, असहयोग से लेकर प्रतिरोध तक का सामना करना पड़ रहा है। तमिलनाडु में यह विरोध सबसे बढ़कर, त्रिभाषा फार्मूले के लागू किए जाने के नाम पर, हिंदी के थोपे जाने के विरोध के रूप में सामने आया है। बेशक, इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा पर, खासतौर पर प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर जोर दिए जाने की बात कही गयी है। लेकिन, इसके साथ ही इसमें छोटे बच्चों के बीच बहुभाषिकता को पोसने पर भी काफी जोर दिया गया है, जिसकी शिक्षा-विज्ञानी वैज्ञानिकता पर सवाल उठ सकते हैं। बहरहाल, इसमें भी विशेष रूप से समस्यापूर्ण है, त्रिभाषा फार्मूले के नाम पर तमिलनाडु में तमिल और अंग्रेजी के अलावा, हिंदी थोपने का आग्रह। वैसे तो मोदी सरकार जब से सत्ता में आयी है, केंद्र द्वारा हिंदी थोपे जाने की शिकायतें उठती ही रही हैं। बहरहाल, त्रिभाषा फार्मूले के लागू किए जाने के केंद्र के फरमान और इस फरमान को थोपने के लिए शिक्षा के लिए राज्य के फंड तक रोकने की उसकी दादागीरी ने, चीजों का विस्फोटक बिंदु तक पहुंचा दिया है। बेशक, त्रिभाषा फार्मूला जिसका तमिलनाडु प्रतिरोध कर रहा है, 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति की ही खोज नहीं है। तीन भाषाओं पर आधारित फार्मूला पहले से शिक्षा नीति का हिस्सा रहा था। लेकिन, एक तो उसे इस तरह अनिच्छुक राज्यों पर थोपने की कोशिश पहले नहीं की गयी थी।

मेष:- सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सगे-संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां संभव।

बृषभ:- कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी कोई यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

मिथुन:- किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन हतोत्साहित होगा। संबंधों के प्रति कुछ नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा।

कर्क:- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

सिंह:- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु कायरे को समय से पूर्ण करें।

कन्या:- क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें। रोजगार में लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

तुला:- मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में संतुलित वाणी का प्रयोग करें। कोई हितैषी बिगड़े हुए संबंधों को सुधरवायेगा। रोजगार में अपनी क्षमता का लाभ उठाएंगे।

वृश्चिक:- समस्याओं के समाधान हेतु मन नयी-नयी युक्तियों पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित न हो। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

धनु:- नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय-व्यय में संतुलन बनाने का प्रयत्न करें। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य का त्याग करें।

मकर:- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

कुंभ:- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरें की व्यस्तता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

मीन:- स्वयं पर भरोसा रख योजनाओं को सुचारू रुप से क्रियान्वित करें। सगे-संबंधों में सरल व व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। अर्थाभाववश चिंता संभव।

विदेशी आक्रांताओं के शुभचिंतकों को सनातन भूमि में रहने का हक नहीं, समझे सरकार! करे कार्रवाई!

सनातन भूमि भारतवर्ष, जिसे जम्बूद्वीप, आर्यावर्त, आसेतु हिमालय आदि विभिन्न नामों से पुकारा गया है, में मुस्लिम आक्रमणकारियों और ब्रिटिश आतताई अधिकारियों के महिमामंडन का जो सियासी होड़ जब-तब मची रहती है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। सवाल है कि इनसे जुड़े विभिन्न प्रतीक चिन्हों-स्मारकों आदि, इनके नाम पर बसाए गए गांवों-शहरों, नामांकित सड़कों या विभिन्न संस्थानों को मिटा क्यों नहीं दिया जाता, क्योंकि ये सनातन भूमि पर रिसते घाव की मानिन्द हैं

यक्ष प्रश्न यह भी है कि आज इनकी जरूरत क्या है, किनको है और क्यों है? और यदि है तो फिर ऐसे देशद्रोहियों की यहां जरूरत है? यदि बाबर, अकबर, औरंगजेब जैसे क्रूर मुस्लिम शासकों या जनरल डायर जैसे क्रूर ब्रिटिश अधिकारियों या फिर ओसामा बिन लादेन, कसाब जैसे क्रूर आतंकवादियों का, पाकिस्तान-बंगलादेश जैसे फिरकापरस्त ताकतों के शुभचिंतक यहां हैं तो भारतीय प्रशासन का यह पहला कर्तव्य है कि राष्ट्रहित में इनकी शिनाख्त करे और इन्हें राष्ट्रीय सीमा से बाहर करे। यह अहम बात है कि जब तक ये बाहर नहीं हो जाते, तबतक इनको मताधिकार और राष्ट्रीय जनसुविधाओं से वंचित किया जाए। इनके भारतीय पहचान पत्र निरस्त किये जाएं। क्योंकि सुलगता सवाल है कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में जब कोई नेता या बुद्धिजीवी सिर्फ मजहबी कारणों से जुल्मियों का महिमामंडन करने का दुस्साहस करे, तो इनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करना भारतीय प्रशासन का पहला कर्तव्य होना चाहिए। क्योंकि इस पवित्र हिन्दू भूमि पर ऐसा करते रहने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती है! ऐसे देशद्रोही, सनातन द्रोही तत्वों के खिलाफ भारतीय नेताओं और प्रशासन को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। इस दिशा में कोई लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए, अन्यथा इनके हौसले बढ़ेंगे। कहना न होगा कि जब हम इंडिया कहते हैं तो उसका अभिप्राय अफगानिस्तान, पाकिस्तान, तिब्बत, वर्मा, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मालदीव समेत भारत के उस विशाल भूभाग से लिया जाता है, जो भारतीय उपमहाद्वीप के रूप में सुप्रसिद्ध हिन्दू भूमि है। यदि आप महाभारत को पढ़ेंगे तो पता चलेगा कि यह पूरी दुनिया ही सनातनी थी, देवत्व मिजाजी थी और जो दानव या असुर मिजाजी थे, वो हिंदुओं से अलग होते गए।

फिर भी आर्यावर्त में हिंदुत्व का दबदबा हमेशा बना रहा। इसलिए चाहे मुस्लिम आक्रमणकारियों का जत्था रहा हो या ब्रिटिशर्स ईसाइयों की फौज और उससे जुड़े लोग, जो यहां पर विदेशी आक्रमणकारी बनकर आए, यहां के शांतिप्रिय लोगों पर जुल्म ढाए और फिर यहीं रच-बस गए हैं। इन्होंने हथियार के बल पर धर्मांतरण कराया और सनातन मंदिरों उनके संरक्षक रजवाड़ों को नष्ट किया। चूंकि ये सभी बाहरी आक्रांता हैं, मंगोल या अरब से आये हैं, इसलिए इनकी असली जगह इनके मूल देशों में है, न कि सनातन भूमि में! क्योंकि इनकी सहानुभूति भारत से नहीं, बल्कि उन्हीं मुल्कों से है। हिंदुओं के नाम पर देश विभाजन करके फिर से भारत में फिरकापरस्त सियासत को बढ़ावा देना, वैसे ही संविधान का निर्माण करवाना कांग्रेस की ऐसी गलती रही है, जिसकी सजा उसे हिन्दू समाज देता आया है। क्योंकि आजादी के बाद मुसलमानों और ईसाइयों को देश से बाहर करवाना, उनसे जुड़ी स्मृतियों को समाप्त करना और भारतीय शासकों, ऋषियों-मुनियों और देवताओं की स्मृतियां कायम करवाना उसका दायित्व था, लेकिन उसने धर्मनिरपेक्षता और गंगा-यमुना संस्कृति के नाम पर हिन्दू समाज को धोखा दिया। ऐसा इसलिए कि सनातन भूमि, देव भूमि समझी जाती है। यही ऋषियों-मुनियों की तपोभूमि है। यह अहिंसक भूमि है। जबकि मुस्लिमों-ईसाइयों का स्वभाव ही हिंसक है। ये लोग मांसभक्षी हैं और क्रूर भी होते हैं। इनके राजकाज वश, इनके संसर्ग में रहने वाले हिन्दू भी वैसे ही हो गए, जैसे ये हैं। इन्होंने फुट डालो और शासन करो की नीतियों से हिंदुओं में सामाजिक व जातीय दुर्भावना को जन्म दिया है।आधुनिक संवैधानिक व्यवस्था भले ही ऐसे तत्वों को धर्मनिरपेक्ष कहती है। लेकिन सदियों से इनका जो स्वभाव रहा है, लड़ाई-झगड़े, दंगा-फसाद की जो नियति रही है, उसके दृष्टिगत तो यही कहना उचित रहेगा कि इन्हें या तो खुद को बदलने का अवसर दिया जाए या फिर भारतीय उपमहाद्वीप से निकाल बाहर किया जाए। बदलते वक्त की मांग है कि सनातन भूमि की नैसर्गिक जरूरतों के मद्देनजर भारतीय संविधान का पुनर्निर्माण हो।

इससे पहले कोई इतना मजबूत शासक बने, जो अखण्ड भारत का निर्माण करे। साथ ही आसेतु हिमालय में रच-बस चुके सनातन द्रोहियों को हृदय परिवर्तन, स्वभाव और संस्कार परिवर्तन यानी धर्मपरिवर्तन कर हिंदुओं में शामिल होने का अवसर दे, अन्यथा जिद्दी बनकर अपने धर्म पर अडिग रहने वालों को उसी प्रकार से आसेतु हिमालय यानी भारतीय उपमहाद्वीप से निकाल बाहर करे जैसे कि अमेरिका अपने यहां के अवैध प्रवासियों को कर रहा है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि मुस्लिम और ईसाई आदि रह तो रहे हैं भारतीय उपमहाद्वीप में, लेकिन यशोगान करते फिरते हैं अरब और ईसाई देशों का। भारतवर्ष पर शासन करने वाले क्रूर शासकों या अधिकारियों का। खासकर सियासत में तो इनका यशोगान करने वालों पर देशद्रोह का मुकदमा चलाया जाना चाहिए। आज देश में जिस क्रूर बादशाह औरंगजेब, जो अपने पिता और भाइयों का नहीं हुआ, को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो चुके हैं। ऐसे में औरंगजेब के उस आखिरी खत की चर्चा यहां मुनासिब है, जो खोल देगा उसका महिमामंडन करने वालों का दिमाग। क्योंकि औरंगजेब के उस आखिरी खत का जिक्र इतिहास की किताबों में हुआ है। इसमें औरंगजेब अपने पापों की कहानी खुद कहता है। विवादास्पद मुगल शासक ने अपनी मृत्यु से पहले के पछतावे में अपने किये गुनाहों का जिक्र किया है। प्रख्यात इतिहासकार राम कुमार वर्मा की लिखी किताब औरंगजेब की आखिरी रात में उस खत का मजमून दिया गया है।

नेशनल पीजी कालेज लखनऊ ने शराब बंदी संघर्ष समिति के सहयोग से नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। नेशनल पी जी कालेज लखनऊ के तत्वावधान में शराब बंदी संघर्ष समिति के सहयोग से नशामुक्ति अभियान की शुरुआत करी गई कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर देवेन्द्र कुमार सिंह और शराब बंदी संघर्ष समिति के अध्यक्ष श्री मुर्तजा अली और संस्था के महामंत्री श्री मिर्ज़ा इशरत बेग और उपाध्यक्ष श्री रोहित अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित करके नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत करी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आज की युवा पीढ़ी को नशीले पदार्थो के सेवन से रोकना और नशीले पदार्थों के सेवन से होनेवाले नुकसान और अपराधो के बारे में जागरूक करना है। संस्था के अध्यक्ष श्री मुर्तजा अली ने कहा कि नशा हमारे लिए एक अभिशाप है आज की युवा पीढ़ी अगर जागरूक हो जाए तो आने वाले समय में भारत एक नशामुक्त देश होगा। शराब बंदी संघर्ष समिति के महामंत्री श्री मिर्ज़ा इशरत बेग ने कहा कि होली के पावन पर्व के अवसर पर सभी छात्र छात्राओं को नशामुक्ति की सौगंध लेकर रंगोत्सव की शुरुआत करनी चाहिए यह एक खूबसूरत पर्व है जिसको कुछ लोग शराब और नशीले पदार्थो के सेवन से पर्व की अहमियत और खूबसूरती को दाग़दार करते हैं हम सबको मिलकर इस नशा रुपी अभिशाप से अपने देश को मुक्त करना है। संस्था के उपाध्यक्ष मोंटेक रोहित अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर देवेन्द्र कुमार सिंह द्वारा मुर्तजा अली,मिर्ज़ा इशरत बेग और रोहित अग्रवाल व हलीमा अज़ीम को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम के अंत में संस्था और कालेज के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा मलिन बस्तियों के बच्चों को आर्गेनिक रंग, पिचकारी और स्टेशनरी भी वितरित करी गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कम्प्यूटर साइंस विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ शालिनी लांबा व प्रोफेसर रिंकू रहेजा आदि उपस्थित रहे।

बजाज गोगो की लखनऊ में पहली डिलीवरी

इस सेगमेंट का सबसे बड़ा ई-ऑटो, सबसे लंबी रेंज के साथ

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बजाज ऑटो लिमिटेड ने नवाबों के शहर लखनऊ में अपने क्रांतिकारी इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर, बजाज गोगो की पहली डिलीवरी की। इस वाहन की विशेषता यह है कि यह एक बार चार्ज करने पर 251 किमी तक चल सकता है, जो इस सेगमेंट में सबसे लंबी रेंज प्रदान करता है। इसके अलावा, इसमें शक्तिशाली एलईडी लाइट्स, हिल होल्ड असिस्ट, ऑटो हज़ार्ड और एंटी-रोल डिटेक्शन जैसे तकनीकी फीचर्स शामिल हैं, जो इसे इस श्रेणी में सबसे बेहतरीन विकल्प बनाते हैं।बजाज गोगो तीन वेरिएंट्स - Pz009, Pz012 और P|012 में उपलब्ध है, जिनकी कीमत क्रमशः ?3,26,797/- और ?3,83,004/- (एक्स-शोरूम दिल्ली) है। इन वेरिएंट्स में ‘PÓ यात्री वाहन को दर्शाता है, ‘50’ और ‘70’ आकार के संकेतक हैं, और ‘09’ और ‘12’ क्रमशः 9 kWh और 12 kWh बैटरी क्षमता को दर्शाते हैं।इस डिलीवरी के पहले ही दिन 200 बुकिंग्स हो चुकी हैं, और यह उत्तर प्रदेश, जो देश का सबसे बड़ा ईवी मार्केट है, के लिए एक उपयुक्त लॉन्चपैड साबित हो रहा है। बजाज गोगो का नाम ड्राइवरों और उनके तीन पहिया वाहनों के बीच के जुड़ाव से प्रेरित है,और यह शहरी परिवहन के नए दौर का प्रतीक है।बजाज गोगो के फीचर्स में शामिल हैं,251 किमी तक की रेंज, जो इसे इस श्रेणी में सबसे लंबा बनाती है।आकर्षक डिज़ाइन और मजबूत मेटल बॉडी। टू-स्पीड ऑटोमेटेड ट्रांसमिशन, जो अतिरिक्त रेंज और बेहतर चढ़ाई क्षमता प्रदान करता है।ऑटो हज़ार्ड और एंटी-रोल डिटेक्शन ये फीचर्स स्टैंडर्ड रूप में दिए गए हैं।बैटरी पर 5 साल की वारंटी।जो ग्राहक स्टैंडर्ड फीचर्स से अधिक सुविधाएं चाहते हैं, उनके लिए प्रीमियम टेकपैक में रिमोट इम्मोबिलाइजेशन, रिवर्स असिस्ट,और अन्य उन्नत फीचर्स उपलब्ध हैं।बजाज ऑटो लिमिटेड के इंट्रा सिटी बिजनेस यूनिट के अध्यक्ष, समरदीप सुबंध ने कहा, ÷बजाज गोगो थ्री-व्हीलर रेंज का लॉन्च इस सेगमेंट के लिए नए मानक स्थापित करेगा। उत्तर प्रदेश के ईवी मार्केट के लिए यह एक उपयुक्त लॉन्च है, और बजाज की भरोसेमंद सेवा और गुणवत्ता के साथ, यह ग्राहकों के लिए एक संपूर्ण समाधान प्रदान करेगा।बजाज गोगो का यह लॉन्च शहरी परिवहन में पर्यावरण के अनुकूल परिवर्तनों का प्रतीक है, जो भारतीय ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप है।

इसीआर विजिलेंस की कार्य प्रणाली पर भी उठने लगे सवाल

सोती रही विजिलेंस टीम होता रहा भ्रष्टाचार का खेल

पीडीडीयू नगर, चदौली। डीडीयू रेल मंडल में प्रमोशन में भ्रष्टाचार का मामला साने आने के बाद रेलवे की छवि का काफी बट्टा लगा है। वहीं दूसरी तरफ अब सवाल पूर्व मध्य रेलवे विजिलेंस की कार्य प्रणाली पर भी खड़े होने लगे है कि आखिर प्रमोशन की परीक्षा का पेपर लीक कर भ्रष्टाचार के खेल को खुलेआम अंजाम दिया जा रहा है लेकिन विजिलेंस को इसकी भनक तक नहीं लग सकी । रेलवे सूत्रों के अनुसार पूर्व मध्य रेलवे के विजिलेंस विभाग भी बड़े पैमाने में ट्रांसफर हो सकते है। बता दें कि डीडीयू रेल मंडल में लोको पायलट से चीफ लोको पायलट इंस्पेक्टर पद को परीक्षा 04 मार्च को होनी थी। 17 पदों पर होने वाली परीक्षा की सुचिता को ताख़ कर रखते डीडीयू रेल मंडल अधिकारियों और कर्माचारियों ने 06 से 09 लाख रूपये लेकर पेपर लीक कर दिया था सभी अभ्यर्थियों को पेपर हल भी कराया जा रहा था। परीक्षा से ठीक एक दिन पहले सीबीआई ने छापेमारी कर इस पर रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए कुल 26 लोगों को गिरफ्तार कर लिया । इसके बाद सीबीआई ने अधिकारी और कर्मचारियों के घर से 1.17 करोड़ रुपए भी बरामद किया थे। भ्रष्टाचार के इस पूरे खेल में रेलवे विजिलेंस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होने लगे है कि प्रमोशन जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा के पहले विजिलेंस ने निगरानी रखना क्यों नहीं मुनासिब समझा, सवाल यह कि इतना बड़ा खेल होता रहा लेकिन इसकी भनक पूर्व मध्य रेलवे के विजिलेंस अधिकारियों को क्यों नहीं लग सकी। चर्चा है कि प्रमोशन के खेल में डीडीयू रेल मंडल के बड़े अधिकारियों को संलिप्तता के चलते कहीं ऐसा तो नहीं की विजिलेंस के अधिकारी इस पूरे प्रकरण में हाथ डालने से ही कतरा रहे थे। सूत्रों के अनुसार इस प्रकरण में पूर्व मध्य रेलवे विजिलेंस विभाग के कई अधिकारियों के भी तबादले हो सकते है।

टीबी हारेगा सोनभद्र जीतेगा: दिलीप कुमार दुबे

सावधानी व साफ सफाई ही बचाव है: डॉ अनिल त्रिपाठी

रेणुकूट, सोनभद्र। नगर में हिंडाल्को पेट्रोल पंप के समीप स्थित स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को प्रयास फाउंडेशन द्वारा 25 क्षय रोगियों को ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सौजन्य से पोषण पोटली का वितरण किया गया। जिसमें निम्न सामग्री जैसे भुनाचना ,लाई ,दलिया ,सोयाबड़ी ,मुंगफली दाना ,गुड़ और प्रोटीनेक्स आदि उपलब्ध था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आए ग्रासिम हॉस्पिटल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ अनिल त्रिपाठी ने कहा की टीबी रोगियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सचेत रहना होगा। उन्हें समय-समय पर जरूरी चीज खाने के साथ-साथ, समय-समय पर जांच करानी भी जरूरी होता है । उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के लोगों को इस रोग से पीड़ित व्यक्ति से भौतिक रूप से उनसे संपर्क कर उन्हें नियमित दवा खाने व स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने को प्रेरित किया जाये। कश्यप दिव्य ज्योति सेवा सोसाइटी के सुभाष राय और प्रयास फाउंडेशन व इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य दिलीप कुमार दुबे ने भी क्षय रोगियों को खुद ही अपना स्वास्थ्य सही करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि वह अगर समय से अपना खान-पान सही रखेंगे और नियमित जांच कराते रहेंगे तो उन्हें इस रोग से मुक्ति मिल जाएगी । इस दौरान जिला कार्यक्रम समन्वयक सतीश चंद सोनकर, अर्जुन, अमरनाथ सिंह, अर्चना, सुनील अग्रवाल ,गौतम अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

अलीनगर महिला थाना प्रभारी पूजा कौर की मेहनत ने दो माह में 70 प्रतिशत पति-पत्नी को मिलाया

⇨ विवाद की अधिकांश वजह इगो

डीडीयू नगर,चदौली। मुगलसराय के महिला थाने में इन दिनों हर दिन दो-तीन ऐसे मामले आते हैं जिसमें पति-पत्नी एक दूसरे पर आरोप लगाते हैं और साथ छोड़ने की बात करते हैं। कोई शादी के कुछ समय बाद ही थाने पहुंच रहा है तो कोई 7 साल से ज्यादा समय तक साथ गुजारने के बाद। महिला थाने पर पहुंचने वाली शिकायत पत्रों को जब वहां मौजूद पुलिसकर्मी पढ़ती हैं तो वजह जानकर हैरान हो जाती हैं। लेकिन महिला थाना प्रभारी पूजा कौर दो माह में एक दो नहीं बल्कि 70 प्रतिशत से ज्यादा पति-पत्नी के बिगड़ते रिश्ते को जोड़ चुकी हैं। बता दें कि पुलिस अधीक्षक आदित्य लाग्हे के निर्देश पर ये पुलिस ऐसे मामले का सुलह समझौता कर रही है। जो घरेलू हिंसा के शिकार हुए हैं, इतना ही नहीं छोटी-छोटी बातों को लेकर टूटने की कगार पर पहुंच रहे पति-पत्नी के रिश्ते को बचाने के लिए दोनों पारिवारिक सदस्यों को बुलाकर उनकी काउंसलिंग करती है। फिर काउंसलिंग के बाद खुशी-खुशी उन दोनों परिवारों को एक दूसरे से मिलती हैं, जिससे आने वाली शिकायतों पर वह फिर दर्ज करने की वजह समझ कर सुलझाने की कोशिश करती हैं। यही कारण है महिला थाना प्रभारी इन दोनों लोगों की चर्चाओं में है। महिला थाने पर 1 जनवरी 2025 से 28 फरवरी तक आई 138 शिकायतों में से महिला थाना प्रभारी 94 मामलों में बातचीत के जरिए पति-पत्नी के बीच बिगड़े रिश्ते को सुधार चुकी हैं कुछ ऐसे भी मामले निकले जो तो कोर्ट में चले गए हैं। इस संबंध में महिला थाना प्रभारी पूजा कौर ने बताया कि जनवरी माह में 70 प्रार्थना पत्र पड़े थे, जिसमें से 39 लोगों को पारिवारिक विवाद को समाप्त करते हुए टूटे हुए रिश्ते को बचाते हुए पति-पत्नी को परिजनों के साथ राजी खुशी भेजा गया, कहां की फरवरी माह में 68 प्रार्थना पत्र पढ़ चुके थे जिसमें से 55 मामलों में बातचीत के जरिए पति-पत्नी के बीच बिगड़े रिश्ते को सुधारा गया है। कहां की पति-पत्नी के बीच विवाद की अधिकांश वजह छोटी-छोटी बातों को लेकर इगो या मोबाइल का अधिक प्रयोग करना कारण निकलता है।

गुरु शिव परिवार जननी सुरक्षा ट्रस्ट द्वारा बनियाहीर में होली मिलन समारोह का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

झरिया / धनबाद । गुरु शिव परिवार जननी सुरक्षा ट्रस्ट के अध्यक्ष रामा शीश चौहान, सचिव तारा मधु देवी के नेतृत्व मे बनियाहीर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, सामाजिक कार्यकर्ता, श्री मती बेबी देवी,तारा मधु देवी व शिव शंकर प्रसाद को अंग वस्त्र और प्रामाण पत्र दे कर के सम्मानित करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई , होली पर्व के होली मिलन समारोह के शुभ अवसर पर श्री चौहान ने सभी देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और महिलाओ को सुरक्षा देने का वचन देते हुए प्रशिक्षण दिलाकर रोजगार से जोड़ कर आर्थिक आजादी दिलाने का आश्वासन दिया,और कहा कि हमारी ट्रस्ट हमेसा आपके साथ खड़े मिलेंगे, जब भी आप आवाज देंगे हमारा कार्यकर्ता 24 घंटे तैयार मिलेंगे द्य होली मिलन समारोह मे , सुनीता देवी, अनीता देवी, सरोज देवी , सरस्वती देवी , पुष्पां देवी, बसंती देवी, गीता देवी, श्यामद्य देवी, अंजु देवी, उर्मिला देवी, पूर्णिमा देवी, शोभा देवी, रीना देवी, सुमित्रा देवी आदि मौजूद थे द्य

त्यौहार के दौरान किसी भी अफवाह से बचें और एक दूसरे से समन्वय बनाये रखें: जिलाधिकारी

राबर्ट्सगंज, सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा आज कोतवाली दुद्धी के पुलिस चौकी कस्बा में पीस कमेटी की बैठक की गयी। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के नागरिक जिले में अमन-चैन कायम रखने के साथ ही जिले में आपसी मेल-जोल के साथ सभी धर्मों के पावन त्यौहारों को उत्साह के साथ मनायें। सोनभद्र जनपद शान्तिप्रिय जिला है, फिर भी आवांछनीय/नकारात्मक सोच के व्यक्तियों से होशियार रहने की जरूरत है। जहां पर शान्ति है, वहीं पर विकास है और जहां विकास है, वहीं सजग समाज है, लिहाजा सभी धर्मों के पदाधिकारीगण अमन चैन की मिशाल को कायम रखें। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने हिन्दू समाज व मुस्लिम समाज के पदाधिकारियों का सुझाव पीस कमेटी में आमंत्रित किया और जो सुझाव वरिष्ठों द्वारा दिये गये, उसे अनुपालित करने के लिए मौके पर मौजूद सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया । मानवीय दृष्टि से सभी का सहयोग अपेक्षित है, जिले के सभी थाना क्षेत्रवार स्थैतिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती करने के साथ ही जिले स्तर व थाने स्तर पर पीस कमेटी की बैठकें भी की गयी है। फिर भी स्थानीय नागरिकों व सभी धर्मों के गणमान्यजनों का सकारात्मक सहयोग जिला प्रशासन को अपेक्षित है। शान्ति समिति की बैठक में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने हिन्दू व मुस्लिम समाज के पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि वे दोनों समाज के लोग एक साथ बाजार में राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के लिए भ्रमण करें और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका होने पर स्थानीय पुलिस प्रशासन/जिला प्रशासन को आवश्यक जानकारी उपलब्ध करायें। त्यौहार के दौरान किसी भी अफवाह से बचें और एक दूसरे से समन्वय बनाये रखें और त्यौहार के दौरान नई परम्परा की शुरूआत न की जाये। इस मौके पर उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव, तहसीलदार दुद्धी, प्रबुद्ध नागरिक, पीस कमेटी के सदस्य सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

घरेलू सिलेंडर ब्लास्ट से तेज धमाका, मकान की छत उड़ी

लखनऊ। बंथरा थाना अंतर्गत अम्बेडकरनगर शिवपुरा गांव में रविवार सुबह एक भयानक हादसा हो गया। जहां घरेलू सिलेंडर फटने से मकान की छत उड़ गई। जिससे मकान दीवार भरभरा कर गिर गई। जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी गई। आनन-फानन स्थानीय लोगों ने फौरन पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना देते हुए दमकल विभाग को जानकारी दी। जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चला। हालांकि, इस दुर्घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन मकान मालिक को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। प्रभारी निरीक्षक राम सिंह के मुताबिक, अम्बेडकरनगर शिवपुरा गांव निवासी मजदूर अजय गौतम पत्नी सोनम और तीन बच्चों के साथ रहते हैं। रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे सोनम किचन में छोटे सिलेंडर (पांच किलोग्राम) से खाना पका रही थी।

नगर में भजनों की धुन पर निकली श्याम ध्वजा

डीडीयू नगर,चदौली। नगर क्षेत्र के कैलाशपुरी शिव मंदिर प्रांगण से क्षेत्र के मारवाड़ी समाज की ओर से रविवार को श्री खाटू श्याम ध्वजा पदयात्रा निकाला गया। ध्वजा रंगभरी एकादशी के पहले प्रति वर्ष समाज द्वारा निकाली जाती है । इस दौरान समाज के लोगों द्वारा जहां खाटू श्याम की रथ सजाकर उनका श्रृंगार किया गया। साथ ही महिलाओं द्वारा पूजा करने के पश्चात समस्त भक्त ध्वजा लेकर भजनों की धुन पर नाचते गाते ध्वजा यात्रा को भव्यता प्रदान करते रहे। मौके पर जगह जगह स्टाल भी लगाए गए थे जो कि भक्तों के बीच चाय पानी शर्बत आदि प्रदान कर पुण्य के भागी बन रहे थे। प्रातः निकली ध्वजा यात्रा के दौरान जी टी रोड स्थित प्राचीन काली मंदिर के पास लोगों ने पुष्प वर्षा किया।इस दौरान श्री श्याम के नारों से क्षेत्र गुंजायमान होता रहा।पुष्प वर्षा करने वालों में राजकुमार गुप्ता , रंजन शाह, भरत अग्रहरी, संतलाल ,नन्द गोपाल सिंह,डा. रवि वार्ष्णेय, बांके लाल ,चन्द्र प्रकाश जायसवाल, विजय विश्वास आदि सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय विधायक रमेश जायसवाल भी ध्वजा लेकर लोगों के साथ नगर भ्रमण किया। ध्वजा यात्रा कैलाशपुरी से चलकर जीटी रोड से नगर भ्रमण करते हुए अलीनगर के अमोघपुर स्थित श्री श्याम मंदिर प्रांगण पहुंच कर समाप्त हुयी। जहां पूजन व भजन कीर्तन आदि के साथ आयोजन का समापन हुआ।

पत्रकार की हत्या से आक्रोशित पत्रकारों ने राज्यपाल के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौंपा तहसीलदार दुद्धी को

दुद्धी, सोनभद्र। उत्तर प्रदेश में आए दिन पत्रकारों की हत्या एवं फर्जी मुकदमे को लेकर आक्रोशित स्वतंत्र पत्रकार समिति दुद्धी के तत्वाधान में गत दिनों एक बैठक की गई। जिसमें सीतापुर महोली उत्तर प्रदेश के निर्भीक पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी की दिनदहाड़े हत्यारों द्वारा बाइक में धक्का मारते हुए गोली मारकर खुलेआम हत्या कर देने की घोर निंदा की गई। जिससे आक्रोशित स्थानीय पत्रकारों ने सर्वसम्मति से महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश सरकार के नाम, तहसीलदार दुद्धी ज्ञानेंद्र यादव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपकर दोषियों को फांसी की सजा दिलाने एवं 1 करोड़ रूपये मृतक के परिजनों को मुआवजा साथहीं सरकारी नौकरी प्रदान करने संदर्भित मांग की गई। स्वतंत्र पत्रकार समिति के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार उपेंद्र कुमार तिवारी, जितेन्द्र कुमार चन्द्रवंशी, संरक्षक सेराज खान, ऊर्जांचल प्रेस क्लब अनपरा के अध्यक्ष आरपी सिंह, दीपक कुमार जायसवाल, श्याम कुमार अग्रहरी, ओमप्रकाश रावत, अजय गुप्ता,दैवी शक्ति (राजा) विनोद सिंह आदि संवाददाता गण द्वारा विशेष नाराजगी व्यक्त की गई। ज्ञात कराना है कि सरकार की कोशिश के बाद भी पत्रकारों की मुकम्मल सुरक्षा व फर्जी मुकदमे, दिनदहाड़े हत्या आदि की घटनाओं पर रोकथाम नहीं हो पा रहा है। कलमकार समाज का दर्पण बनकर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का बखूबी निर्वहन कर रहा है अन्यथा अपराधिक प्रवृत्ति के लोग समाज में अधिकारों का हनन कर अराजकता पैदा करते। समाचारों द्वारा विभिन्न अपराध का पर्दाफाश कर संवैधानिक मूल्यों का दोहन करने वालों का पत्रकार अपनी लेखनी के हस्तक्षेप द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन निष्ठा पूर्वक कर रहा है। ऐसे में सीतापुर के पत्रकार की दिनदहाड़े हत्या लोकतंत्र के स्तंभ को कमजोर करने का भ्रष्ट, अपराधी किस्म के लोगों की सुनियोजित साजिश है। जिसकी मुखालफत पत्रकार अंतिम सांस तक करेगा।

महिला परिवार ही नहीं बल्कि पूरे समाज व राष्ट्र की रीढ़: डॉ शिखा दरबारी

प्रयागराज, (संवाददाता)। रोटरी प्रयागराज प्लेटिनम ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को ज़ीरो रोड स्थित एक होटल में भव्य समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आयकर आयुक्त डॉ. शिखा दरबारी ने कहा महिला केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र की रीढ़ होती हैं। डॉ. शिखा दरबारी ने कहा कि महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी काबिलियत साबित कर रही हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। हमें नारी शक्ति का सम्मान करना चाहिए और उन्हें हर स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए। उन्होंने रोटरी प्रयागराज प्लेटिनम द्वारा महिलाओं के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना की और इसे प्रेरणादायक बताया। रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन शशांक जैन ने कहा, महिलाएं समाज की आधारशिला हैं और उनके योगदान को सम्मानित करना हमारा कर्तव्य है। इस कार्यक्रम में महिलाओं की उपलब्धियों और समाज में उनकी भूमिका पर चर्चा की गई। संचालन रितेश सिंह ने किया, जबकि मुख्य अतिथि का परिचय उपहार जायसवाल ने दिया। सचिव सुमित अग्रवाल ने सेक्रेटरी अनाउंसमेंट किया और रोटेरियन संजय सिंह ने सनशाइन कलेक्शन का कार्यभार संभाला। मीडिया प्रभारी रोटेरियन मनीष गर्ग ने कहा रोटरी प्रयागराज प्लेटिनम हमेशा से समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा हमारा क्लब समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा और इस तरह के आयोजन आगे भी होते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान रोटेरियन जया मित्तल, स्वाति केसरवानी, एकता तलवार, रूमि अग्रवाल, ज्योति सिंह, दीपिका केसरवानी, पारुल अग्रवाल, नूपुर गर्ग, तथा फर्स्ट लेडी प्रीति जैन, पुनीता गर्ग, स्मिता अग्रवाल और मान्या जैन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

समूह सखी महिलाएं बना रही हर्बल रंग

➢ आत्मनिर्भरता के लिए शुरू कर रहीं मधु मक्खी पालन केंद्र

बीजपुर,सोनभद्र। जरहा न्याय पंचायत अंतर्गत एनएलआरएम के सहयोग से दर्जनों गाँवो में संचालित 40 समूह सखी से जुड़ी सैकड़ों महिलाओं में गजब का उत्साह है।समूह सखी संचालिका वकीलुन निशा और ममता देवी तथा अनवरी बेगम ने बताया कि होली के अवसर पर केमिकल युक्त रंग की जगह हर्बल रंग जंगली फूल पत्तियो से बनाने का कार्य तेजी से गाँवों में संचालित हो रहा है।

हर्बल रंगों में लाल गुलाबी हरा पीला रंग के लिए लाल गुलाल पलास के फूल से हरा रंग सेम और पालक के पत्तों से तो गुलाबी रंग चुकंदर से और पीला रंग हल्दी से बनाया जाता है।समूह सखी वकीलुन निशा ने बताया कि डोडहर नेमना जरहा बीजपुर सहित म्योरपुर ब्लाक क्षेत्र के अन्य गाँवों मे कुल चालीस महिला समूह सखी संचालित है जिसमे नीलम समूह कृष्णा समूह के अलावा अन्य समूह का संचालन वकीलुन निशा ने करते हुए महिलाओं से अचार पापड़ चिप्स सहित 16 पेटी मधु मक्खी पालन शुरू करा कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बना कर सैकड़ो महिलाओं को अपने पैर पर खड़ा करने में लगी हुई है।समूह सखी संचालिका वकीलुन निशा ने बताया कि हर्बल रंग का होली में सभी लोग उपयोग करें यह गुलाल स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नही है यह जंगली फूल पत्तो से बना केमिकल विहीन रंग है। उन्होंने कहा की समूह में आत्मनिर्भर बनने के लिए महिलाओं में गजब का उत्साह है इसके लिए सरकार सहयोग भी कर रही है।

वार्म-एस्ट 2025 : वुमेन इन अकेडमिया, रिसर्च, एंड मैनेजमेंट फॉर इंपावारिंग सक्सेसफुल ट्रांसफ़ोरमेशन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

विज्ञान के योगदान के वास्तविक मूल्य का एहसास तभी होता है जब यह गंभीर सामाजिक समस्या को कम करने में मददगार साबित होता है। इस तरह की सफलता की कहानियों को लोगों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल देना तथा इस प्रक्रिया में महिला विज्ञान संचारकों के सामने आने वाली चुनौतियों पर परिचर्चा करना वार्म-एस्ट 2025 के दूसरे दिन के सत्र का सार था। सम्मेलन के पहले और दूसरे दिन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रमुख महिला शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों ने कई व्याख्यान दिए। डॉ. शर्मिला मांडे, डॉ. मधु दीक्षित और डॉ. कविता कट्टी ने अपने अनुसंधान कार्य के माध्यम से विज्ञान की अपनी यात्रा प्रस्तुत की। बायोटेक डेस्क की संस्थापक डॉ. श्रद्धा गोयनका ने कंपनी की स्थापना और संचालन में आई चुनौतियों का वर्णन किया और बताया कि किस प्रकार उन्होंने मात्र एक लाख रुपए की व्यक्तिगत बचत से इस बहु-करोड़ उद्यम का निर्माण किया। डॉ. बुंडा गनेरू ने भारत बायोटेक में को-वैक्सीन के विकास में अग्रणी वैज्ञानिक के रूप में अपने अनुभव साझा किए। एनएबीएल और एफएसएसएआई की अनुजा आनंद और रत्ना श्रीवास्तव ने नियामक अनुपालन नियमों को साझा किया और बताया कि भारत की इन प्रमुख नियामक एजेंसियों में महिलाएं कैरियर कैसे बना सकती हैं। वक्ताओं ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उद्यमी बनने की राह पर आने वाली समस्याओं पर कई सवाल पूछे गए। डॉ. सवनीत कौर, इंडियन बाइल एंड लिवर इंस्टीट्यूट और डॉ. माहेर हसन आरिफ, सीएसआईआर-एनबीआरआई जैसे संस्थानों के वैज्ञानिकों द्वारा वैज्ञानिक एवं तकनीकी सत्र प्रस्तुत किए गए। डॉ. आंचल शर्मा, डॉ. शेफाली यादव और डॉ. नेहा चौरसिया ने स्वास्थ्य और स्व-देखभाल पर अग्रणी अस्पतालों के स्वास्थ्य पेशेवरों का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने त्वचा की देखभाल, दर्द प्रबंधन और महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की समस्याओं तथा उनके उपचार जैसे विषयों पर चर्चा की। वैज्ञानिक संचार पर एक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विज्ञान पत्रकारों और प्रकाशन गृहों ने मंच साझा किया और विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, जिसमें बताया गया कि वैज्ञानिक जानकारी को डिकोड करना और उस तक पहुंचना कितना आसान है। एआई की उभरती भागीदारी पर, स्वाति ने साझा किया कि एआई-आधारित सामग्री की पहचान करने के लिए प्रकाशकों के अपने चैनल हैं। गोधुली, अपर्णा ने पत्रकारिता के क्षेत्र में महिलाओं के प्रतिनिधित्व तथा उन्हें प्रेरित करने वाली तथा चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए।

सीतापुर मे पत्रकार की हत्या के विरोध मे ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने एसडीएम कों सौंपा 5 सूत्रीय ज्ञापन

❑ ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष विकास मिश्रा बोले जल्द हो हत्या का खुलासा, दोषियों को मिले फांसी नहीं तो होगा उग्र आंदोलन

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता हरदोई

हरदोई । जनपद सीतापुर में हुई पत्रकार की निर्मम हत्या के विरोध मे सवायजपुर तहसील इकाई के तहसील अध्यक्ष विकास मिश्रा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। ज्ञापन में दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर उन्हें मृत्युदंड दिलाए जाने और पत्रकारों की सुरक्षा के लिए व्यापक कदम उठाने की मांग की गई। जनपद सीतापुर के तहसील महोली क्षेत्र में बीते शनिवार को पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की गोलियों से भूनकर दिन दहाड़े कर दी गई थी, जिससे देश व प्रदेश भर के पत्रकारों में रोष व्याप्त है।मंगलवार को हत्याकांड को लेकर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के तहसील अध्यक्ष विकास मिश्रा नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम संजय अग्रहरी को सौंपते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, हत्यारों की शीघ्र गिरफ्तारी कर

फास्ट ट्रेक कोर्ट में मामले की सुनवाई कर हत्यारों को सजाए मौत दिलाई जाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा कि पत्रकारों पर हो रहे हमले और उनकी हत्याओं जैसे जघन्य अपराधों पर अकुंश लगाया जाए और पत्रकारों को उनकी सुरक्षा के लिए आसान प्रणाली के तहत शस्त्र लाइसेंस दिलाए जाएं। इसके अलावा मृतक पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई के परिवार को उचित मुआवजा दिलाया जाए, साथ ही उनकी पत्नी को सरकारी नौकरी दिलाई जाने की भी मांग की गई है। इस दौरान पत्रकार गोपाल मिश्रा, ब्रजेश अग्निहोत्री, दीपांकुर पाण्डेय, रामजी शर्मा, राजीव यादव, शिवेंद्र शुक्ला, सत्यदेव शुक्ला, आशीष मिश्रा, आकाश सिंह,दीपक, आदित्य, सचिन, अनुराग दीक्षित मौजूद रहे

दावत खाकर लौट रहे युवक पर हमला, चार पर मुकदमा दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। गहमर गांव में दावत खाकर घर लौट रहे युवको पर चार लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इससे दोनों युवक गंभीर रुप से घायल हो गया। पुलिस ने युवक की भाई के तहरीर पर गांव के ही चार लोगों पर मुकदमा दर्जकर घायल को मेडिकल के लिए समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भदौरा भेज दिया। विकास यादव पुत्र शंकर यादव निवासी गांव गहमर पट्टी खेलूराय ने बताया कि बीते शुक्रवार की देर रात को मेरा भाई विनय यादव अपने मित्र अरविन्द सिंह पुत्र अंजनी सिंह निवासी गहमर पट्टी खेलूराय के साथ गांव में सिद्धार्थ सिंह उर्फ गोनू के घर से दावत खा कर दोनों घर लौट रहे थे। कि विक्की सिंह पुत्र गांधी सिंह, चन्दन सिंह पुत्र स्व धुवनरायण सिंह, अंकुर सिंह उर्फ उज्जवल, विरभान सिंह के भांजा अंकित सिंह पूर्व नियोजित घात लगाए एक राय होकर रास्ते में अचानक लाठी-डंडे हांकी, लात-घूंसे से हमला कर दिया जिससे दोनो घायल हो गए। मारपीट में घायल दोनों की चीखने-चिल्लाने व सोर सराबा सुनकर आस-पास के लोगों को मौके पर आता देख कर सभी जान-माल की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। प्रभारी निरीक्षक अशेषनाथ सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर गांव के ही चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना किया जा रहा है।

कारागार निरीक्षण व बंदियो के अधिकार विषय पर जिला कारागार में हुआ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई संजीव शुक्ला के सरंक्षण एवं अनुमति से एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई के तत्वाधान में आज दिनांक 11/03/2025 को अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री भूपेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में जिला कारागार हरदोई का निरीक्षण तथा बंदियो के अधिकार विषय पर विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। अपर जिला जज द्वारा निरीक्षण के दौरान बन्दियों से उनकी समस्याओं के बारे जानकारी प्राप्त की तथा जेल प्रशासन व एल.ए.डी.सी. को बंदियों की समस्याओं के निस्तारण हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए, तत्पश्चात अपर जिला जज द्वारा बंदियों के अधिकार विषय पर जागरूकता शिविर में उपस्थित बंदियों को विस्तृत रूप से जानकारी दी । निरीक्षण के दौरान जिला कारागार डिप्टी जेलर ओमकार पांडेय, सुखलाल नरेश चंद्र, लीगल एड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार मिश्रा,देवेन्द्र कुमार सिंह, अजय त्रिपाठी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक अभिषेक अवस्थी व जिला कारागार के कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने थाना औंछा का किया औचक निरीक्षण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मैनपुरी

औंछा मैनपुरी। पुलिस अधीक्षक गणेश प्रताप सहा ने औंछा थाने का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर सम्बंधितों को दिशा-निर्देश दिए और कहा थाना परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था को सही रखा जाए। औंछा थाना प्रभारी अनुज चौहान से कहा कि आम जनता की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और समयबद्ध तरीके से उनका निस्तारण किया जाए। थाना क्षेत्र में गस्त बढ़ा कर अपराधियों पर अंकुश लगाया जाए, महिलाओं की सुरक्षा के विशेष उपाय किए जाएं। पुलिस अधीक्षक ने बैरक शास्त्रागार व अभिलेखों का निरीक्षण किया और उन्होंने कहा कि अभिलेखों का सही तरीके से रखरखाव रखे। पुलिस अधीक्षक चौकी पड़रिया का भी जायजा लेने मौके पर पहुचे। इस मौके पर कुरावली क्षेत्राधिकारी चंद्र कैश सिंह, औंछा थाना प्रभारी अनुज चौहान, पी आर ओ विनोद कुमार, उपनिरीक्षक ऊदल सिंह, दलवीर सिंह , महिला आरक्षी खुशबू, महिला आरक्षी नेहा, रितिक, रवि अन्य पुलिस स्टाफ मौजूद था।

93 वां वार्षिक संस्थापना दिवस समारोह मनाया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गोरखपुर

गोरखपुर। जटाशंकर स्थित विश्वकर्मा मंदिर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्वकर्मा पंचायत मंदिर समिति द्वारा 93 वां वार्षिक संस्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम श्री विश्वकर्मा पंचायत मंदिर जटाशंकर गोरखपुर में हवन पूजन तथा सहभोज एवं होली मिलन समारोह कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य डॉ धर्मेंद्र सिंह ने भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा,अर्चना व तथा 93 वें स्थापना दिवस एवं होली मिलन समारोह में मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य रूप से विश्वकर्मा पंचायत समिति अध्यक्ष दयानंद शर्मा, मंत्री श्याम बाबू,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विशवजिताशू सिंह आशू, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, राहुल श्रीवास्तव, पूर्व महापौर डॉ सत्या पाण्डेय,शशिकांत सिंह, दयाकृष्ण गुप्ता,देवेश श्रीवास्तव, ओम प्रकाश शर्मा, अच्युतानंद शाही,बृजेश मणि मिश्रा, अजय श्रीवास्तव, आनंद अग्रहरी, अमित कुमार श्रीवास्तव, शिशिर वर्मा, विकास शर्मा, अनिल संजय शर्मा, विनोद दूबे,समरेंदु सिंह, जितेन्द्र सैनी, अजय सिंह सचू,अनुभव वाजपेई, प्रभाकर पांडे, अरविंद निषाद, रणंजय सिंह,सहित सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हीरक रोड पर 6 गति रोधक बेरियर लगाया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता धनबाद

धनबाद। ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स टीम के संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष गौतम कुमार मंडल के पहल पर बारवाअड्डा थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि के सहयोग से धनबाद पब्लिक स्कूल हीरक ब्रांच, नेहरू बाल एकेडमी एवं बीबीएमकेयू की बीच हीरक रोड पर 6 गति रोधक बेरियर हमेशा के डाला गया। जिससे अब गाड़ियों की रफ्तार में कुछ कमी होगी। अब आगे बहुत जल्द यहाँ ओवर ब्रिज बनाने की माँग को लेकर ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स के गौतम कुमार मंडल का प्रयास जारी रहेगा।

त्योहारों को लेकर आयुक्त व डीआईजी ने की तैयारियों की समीक्षा

➪ प्रबुद्ध लोगों को शांति समिति में जोड़ने का निर्देश ➪ सोशल मीडिया पर पुलिस की रहेगी पैनी नजर ➪ सभी थाना क्षेत्र में पुलिस करेगी कड़ी गश्ती ➪ मादक पदार्थ व अवैध शराब बिक्री करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
धनबाद

धनबाद। आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग पवन कुमार तथा बोकारो प्रक्षेत्र के डीआईजी सुरेन्द्र कुमार झा ने मंगलवार को समाहरणालय में होली एवं रमजान त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि सभी थाना क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों को शांति समिति में जोड़ें। संवेदनशील स्थानों पर फ्लैग मार्च करें और विशेष निगरानी रखें। असामाजिक तत्वों को चिन्हित कर उनकी धरपकड़ करें। आयुक्त ने शराब पीकर और खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों पर नकेल कसने, कंट्रोल रूम में एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन तथा सभी स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की टीम की मौजूदगी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में डीआईजी ने सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी से तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखने, क्विक रिस्पांस टीम (क्यू.आर.टी.) प्लान तैयार करने, चौबीस घंटे कंट्रोल रूम एक्टिव रखने, थाना क्षेत्र के होलिका दहन स्थल को चिह्नित करने, मादक पदार्थ एवं अवैध शराब बिक्री करने वालों पर कठोर कार्रवाई करने, स्कूल, कॉलेज व कोचिंग सेंटर के आसपास गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान आयुक्त एवं डीआईजी ने कोयला एवं बालू के अवैध खनन व परिवहन को रोकने के लिए भी दिशा निर्देश दिए। इसके लिए अवैध खनन स्थलों पर खनन टास्क फोर्स द्वारा नियमित छापामारी करने, मुहानों की डोजरिंग करने, अवैध खनन के रूट पर छापामारी करने, अवैध खनन की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करने, वर्चस्व स्थापित करने वालों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन, सिटी एसपी श्री अजीत कुमार, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, डीटीओ दिवाकर सी द्विवेदी, डीएमओ रितेश राज तिग्गा, राज्य कर सहायक आयुक्त ध्रुव नारायण राय, डीएसपी धीरेन्द्र नारायण बंका, नौशाद आलम, शंकर कामती, अरविन्द कुमार सिंह, एसडीपीओ सिंदरी आशुतोष कुमार सत्यम, एसडीपीओ निरसा रजत माणिक बाखला, साइबर डीएसपी संजीव कुमार, सीआइएसएफ के कमांडेंट विशाल शर्मा, सहायक कमांडेंट एल. गौतम मौजूद थे।

सुरंगा के ग्रामीणों के समस्याओं के समाधान हेतु बीसीसीएल ने की पहल

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। सुरंगा के आंदोलित ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान हेतु लोदना क्षेत्र, बी.सी.सी.एल. द्वारा मौजा सुरंगा, मौजा सं0-155, अंचल- बलियापुर, जिला- धनबाद के अंतर्गत जमीन क्रय किए जाने वाले प्लॉट को स्थानीय समाचार पत्र में प्रकाशित करने के संबंध में लोदना क्षेत्र, बी.सी.सी.एल. द्वारा मौजा सुरंगा, मौजा स. 155, अंचल बलियापुर, जिला- धनबाद के अंतर्गत निम्नलिखित भूमि क्रय किया जा रहा है जिसकी प्रक्रिया अंतिम चरण में है। 1. हाल खाता स.-231, प्लॉट स.-1635, 1637, 1717, 1704, 1741, 183, 205 एवं हाल खाता स.-230, प्लॉट स.-1830, कुल रकवा- 50 डिसमिल मालिक- मनपुरन कुम्हार, कुसमी देवी, तरानी कुम्भकार, बलराम कुम्भकार, मगाराम कुम्हार, सरला देवी, राजु कुम्भकार, अर्जुन कुम्भकार, भीम कुम्भकार, टूसू देवी, सतेंद्र कुम्हार । 2. हाल खाता सं0-375, प्लॉट स. 1639 (अंश)।

खून देकर आप सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं एक परिवार को बचाते है- अंकित सिंह परमार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। आर्थिक सहयोग, निश्वार्थ सेवाभाव रखने वाले हरदोई शहर मे जन्मे अंकित सिंह परमार अभी तक लगभग 1200 से अधिक लोगों को ब्लड डोनेट कराकर खून का रिश्ता बना चुके है अंकित सिंह परमार आर्थिक असक्षम लोगों की अपनी टीम के सहयोग से कई प्रकार की मदद कर रहे है चाहे बेटिओं की शादी हो, युवाओं की शिक्षा हो, मेडिकल चेकअप कैंप हो, धार्मिक कार्य हो, किसानों की समस्याएं आदि। दरअसल, संगेचामऊ के रहने वाले साधु सिंह का केजीएमयू में काफ़ी समय से इलाज चल रहा है समय-समय पर उन्हें खून की आवश्यकता पड़ती है इस पर उनके पुत्र सी पी सिंह अपने परिवार व मित्रों की मदद से अरेंजमेंट करते है, लेकिन लगातार बढ़ती डिमांड के चलते उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने अपनी समस्या का जिक्र समसपुर गांव के ऋतिक सिंह उर्फ़ धुआँधार से किया जिस पर ऋतिक ने समाजसेवी अंकित सिंह परमार के बारे मे बताया और उनसे सम्पर्क कराकर मदद के लिए बोला परमार ने तुरंत अपनी टीम के सदस्यों को सहयोग के लिए प्रेरित किया। जिस पर टीम के सदस्य डॉ. राजीव सिंह जो इस समय लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज मे कार्यरत है, वह मूल

रूप से हरदोई के कसरावा गांव के रहने वाले है उन्होंने तुरंत सम्पर्क किया और हॉस्पिटल जाकर मरीज से मिले व खून देकर मदद की और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। अंकित सिंह परमार ने बताया की जब तक देश का युवा क्या सही क्या गलत नहीं समझेगा देश तरक्की नहीं कर सकता आज कल युवा नशे की तरफ जा रहे है उनको सही दिशा सिर्फ परिवार,शिक्षक और उनके मित्र ही दिखा सकते श्री परमार ने बताया की उनसे जितना होता है वो युवाओं को प्रेरित करते है और सही दिशा दिखाने का प्रयत्न करते है और युवाओं से आग्रह किया इस होली पर सब मिलझुल कर खुशियाँ बाटें आर्थिक रूप के असक्षम लोगो के साथ मिठाई गुलाल प्रेम बांटकर होली मनाएं मांस मदिरा से दूरी बनाए।

रोड हादसें में स्कूली छात्र प्रीतम महतो की मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता धनबाद

धनबाद। डीपीएस, हीरक ब्रांच कमल कटेसरिया के बगल स्कूल नेहरू एकेडमी के छात्र भेलाटाड़ निवासी प्रीतम कुमार महतो (उम्र-14 वर्ष) पिता पुरन चंद्र महतो का एक लौता बेटा रोड पार करने के दौरान तेज रफ्तार पिकअप भेन के चपेट में आने से मिशन हॉस्पिटल, दुर्गापुर के वेंटिलेटर आईसीयू में ईलाज के दौरान मौत। इस दर्दनाक घटना से स्कूली छात्र-छात्राओ के परिजनों में डर का माहौल, सभी के चेहरे में मायूसी, क्षेत्र में शोक की लहर। मैं गौतम कुमार मंडल संस्थापक सह केंद्रीय अध्यक्ष ह्यूमैनिटी हेल्पिंग हैंड्स धनबाद जिला प्रशासन से अविलंब माँग करता हूँ कि धनबाद पब्लिक स्कूल हीरक ब्रांच, नेहरू बाल एकेडमी एवं बीबीएमकेयू के बीच में 2 ओवर ब्रिज फुट स्ट्रिप का निर्माण जल्द से जल्द किया जाये ताकि भविष्य में स्कूली बच्चे एवं आम आदमी ऐसे दर्दनाक दुर्घटना से बच सकें।

भगवांतनगर विधानसभा में सपाइयों ने लगाई पीडीए चौपाल

❑एकजुट होकर 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएं: अंकित परिहार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। विधानसभा क्षेत्र बीघापुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत पाही हरदो एवं मगरायर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आह्वान पर सपाइयों ने पीडीए जन पंचायत की। मंगलवार को पीडीए पंचायतों में विचार व्यक्त करते हुए अंकित सिंह परिहार ने भारत रत्न बाबा साहब डा. भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अंकित परिहार ने कहा की पीडीए पंचायतों की यह मुहिम अधिकारों से वंचित किए जा रहे समाज के कमजोर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ ही उनके अंदर राजनैतिक चेतना का संचार कर के सभी को एक जुट करके अत्याचारी और तानाशाही सरकार के विरुद्ध डट कर मुकाबला करने के लिए साहस पैदा करने की मुहिम है। उन्होंने कहा ही समाजवादी पार्टी और हमारे नेता अखिलेश यादव की यह सोंच है कि समाज के हर वर्ग को बराबरी के साथ आगे बड़ने का अवसर मिले, समाजवादी पार्टी की सभी नीतियां सभी को समान अवसर देने के लिए सदैव कार्य करती हैं। सपा नेता अंकित परिहार ने कहा संविधान पर खतरा है। दलित, पिछड़ा व अल्पसंख्यक की सुनवाई नहीं हो रही है। नौजवानों को रोजगार नहीं दिया जा रहा है। किसाने की दुर्दशा है महिलाओं के साथ लगातार अत्याचार हो रहे हैं। देश और प्रदेश में कानून नाम की कोई चीज नहीं

रह गई है। सबसे ज्यादा हत्याएं दलित व पिछड़े वर्ग को के लोगों का हो रहा है। दवाई और शिक्षा के नाम पर कोई योजनाएं इनकी नहीं है। महंगाई व गुंडाराज चरम पर है। ऐसे में विधानसभा 2027 में पीडीए के लोग एकजुट होकर समाजवादी सरकार बनाते हुए अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का कार्य करें।अंकित ने कहा कि सबका साथ सबका विकास का वादा खोखला साबित हो रहा है। पिछड़े और दलित के साथ अत्याचार हो रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष ओम प्रकाश पासवान के द्वारा किया गया। मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष रूप नारायण पटेल, जिला सचिव नारायण पाल विधानसभा उपाध्यक्ष सत्येन्द्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष बीघापुर शिव नारायण गौड़, ब्लॉक अध्यक्ष सिकंदरपुर कर्ण विजय यादव, व्यापार सभा के विधानसभा अध्यक्ष श्री संतोष पटेल, गुड्डू शुक्ला, अरुणेंद्र यादव, विवेक सिंह, मनोज गौतम, दिलीप यादव, प्रेम टेलर, राम आसरे गौतम, सुशील चौरसिया, धर्मेंद्र पटेल, आदि लोग उपस्थित रहे।

सीतापुर के पत्रकार की नृशंस हत्या के विरोध में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने पैदल आक्रोश मार्च निकाला

➲ मीडियाकर्मियों ने एक स्वर में उत्तर प्रदेश सरकार से पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने की मांग की

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
गोरखपुर

गोरखपुर। सीतापुर में दैनिक जागरण के पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की नृशंस हत्या के विरोध में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सेराज अहमद कुरैशी के नेतृत्व में पत्रकारों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर, काली मंदिर गोलघर से जिलाधिकारी कार्यालय तक आक्रोश पैदल मार्च करते हुए पत्रकार के हत्यारों को फांसी दो व पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करों के नारा लगाते हुए जिला अधिकारी की अनुपस्थिति में उप जिलाधिकारी वित्त विनीत सिंह को माननीय मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इस शांतिपूर्ण पैदल आक्रोश मार्च में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारीयो एवं पत्रकारों ने पैदल आक्रोश मार्च में शामिल होकर विरोध दर्ज कराया। उपस्थित पत्रकारों ने एक स्वर में सरकार से पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने को की मांग की। मीडियाकर्मियों में इस नृशंस हत्याकांड को लेकर काफी आक्रोश के साथ इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सेराज अहमद कुरैशी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लगातार पत्रकारों का उत्पीड़न और हत्यायें हो रही। सीतापुर में दैनिक जागरण के पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की निर्मम हत्या तथा महोबा में नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा दो पत्रकारों को निर्वस्त्र कर प्रताड़ित करने की घटना से सभी मीडियाकर्मियों में आक्रोश है। सभी मीडियाकर्मियों ने एक स्वर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से यह मांग की है कि जिस तरह महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ की सरकार ने पत्रकार हित में पत्रकार सुरक्षा कानून बना कर लागू किया है उसी प्रकार उत्तर प्रदेश सरकार भी पत्रकार सुरक्षा कानून बना कर लागू करें। श्री कुरैशी ने आगे कहा कि दिवंगत पत्रकार के परिजनों को सरकार एक करोड़ रुपये मुआवजा, एक परिजन को सरकारी नौकरी और उनके बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था की जाएं। असुरक्षित पत्रकारों को आत्म सुरक्षा हेतु शस्त्र लाइसेंस आवेदन के 15 दिन के अंदर बिना एनएससी के वरियता के आधार पर लाइसेंस प्रपत्र जारी किया जाए तथा पत्रकारों के ऊपर भ्रष्ट अधिकारियों एवं नेताओं द्वारा उनके पक्ष में समाचार नहीं लिखने से असंतुष्ट होकर उनके विरुद्ध फर्जी मुकदमे थाने में दर्ज करा के प्रताड़ित कराये जा रहे हैं। आप ऐसे पत्रकारों के उत्पीड़न को रोकने के लिए जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, सूचनाधिकारी व इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष की एक समिति प्रत्येक जिले में गठित करा के पत्रकारो के विरुद्ध दर्ज शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराने के उपरांत दोषी पाये जाने पर ही कार्यवाही की जाएं। नगर, ब्लाकों और शहरों के पत्रकारो का सरकार द्वारा पांच लाख रुपये का सामूहिक दुर्घटना बीमा कराया जाए। जिसकी किस्त सरकार द्वारा दी जाएं और चेतावनी देते हुए कहा कि अगर प्रदेश सरकार ने हमारी मांगे नही मानी तो इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन पूरे प्रदेश में सड़कों पर उतर कर धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी। अन्य मीडियाकर्मियों ने भी अपने वक्तव्य देकर इस जघन्य हत्याकांड पर आक्रोश व्यक्त किया। इस आक्रोश पदैल मार्च एवं ज्ञापन देने में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सेराज अहमद कुरैशी, प्रदेश कोषाध्यक्ष पूर्वांचल नवेद आलम, मंडल अध्यक्ष गोरखपुर रफ़ी अहमद अंसारी, मंडल सचिव सतीश चंद्र, जिला प्रवक्ता सतीश मणि त्रिपाठी, जुबेर आलम, आशुतोष कुमार, अजमेर खान, तहसील अध्यक्ष अंशुल वर्मा, जाकिर अली, रामकृष्ण शरण मणि त्रिपाठी,

मेराज अहमद, डॉ.शकील अहमद, डॉ वेद प्रकाश निषाद, रमाशंकर गुप्ता, दुर्गेश मिश्रा, विनय तिवारी, सुनील कुमार भारती, श्रवण कुमार गुप्ता, मोहम्मद आजम, अहद करीम, रफीक अहमद आदि मीडियाकर्मी शामिल रहें।

स्क्रिप्ट में था दम, लेकिन प्रोड्यूसर के इरादे खराब

विक्की कौशल की को-स्टार रहीं अलंकृता सहाय ने बताई पंजाबी फिल्म छोड़ने की वजह

2014 में मिस इंडिया अर्थ का खिताब जीत चुकीं मॉडल-अभिनेत्री अलंकृता सहाय अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत में उन्होंने खुलासा किया कि कैसे एक पंजाबी फिल्म की शूटिंग के दौरान प्रोड्यूसर के अजीब व्यवहार ने उन्हें असहज कर दिया, जिससे उन्हें फिल्म छोड़नी पड़ी। बातचीत के दौरान, उन्होंने अपनी प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प किस्से शेयर किए। बता दें, अलंकृता ने बॉलीवुड में डेब्यू फिल्म 'लव पर स्क्वायर फीट' से किया था, जिसमें वह विक्की कौशल के साथ नजर आई थीं। मॉडलिंग और एक्टिंग करियर की शुरुआत बचपन में मुझे परफॉर्मिंग आर्ट्स का बहुत शौक था। स्कूल में डांस, डिबेट, नाटक - हर चीज में हिस्सा लेती थी। मेरी टीचर और पेरेंट्स ने हमेशा सपोर्ट किया। लेकिन उस वक्त सोचा नहीं था कि एक्टिंग मेरा करियर बनेगी। मेरा सपना तो पै बनने का था, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। मैं मुंबई किसी और काम से आई थी, लेकिन यहां का माहौल और इंडस्ट्री की चकाचौंध मुझे खींच लाई। कॉलेज में थिएटर किया था, लेकिन करियर के रूप में इसे कभी नहीं सोचा था। फिर मिस इंडिया का टाइटल जीता और इंटरनेशनल लेवल पर भारत को रिप्रेजेंट किया। तभी अहसास हुआ कि यही मेरा रास्ता है।

उस दिन मेरी मम्मा ने कहा, 'तुम्हें देश के लिए कुछ करना था, और तुमने कर दिखाया।' बस, वहीं से जर्नी शुरू हो गई। विक्की कौशल के साथ पहला फिल्मी अनुभव दरअसल, हिमेश रेशमिया सर ने मुझे अपने म्यूजिक एल्बम में लॉन्च किया। वह एक बड़ा मौका था, जिससे बॉलीवुड के बड़े लोगों से मिलने का अवसर मिला। इसके बाद टीवी ऐड्स मिले और फिर मेरी पहली फिल्म 'लव पर स्क्वायर फीट' मिली, जिसमें मैं विक्की कौशल के साथ नजर आई। विक्की बहुत अच्छे इंसान हैं। जब हमने साथ काम किया, तब भी वह टैलेंटेड थे और आज तो उनकी एक्टिंग कमाल की हो गई है। फिल्म छावा में उनका किरदार देखकर सच में रोंगटे खड़े हो गए। हम अब भी टच में हैं। वह इंस्टाग्राम पर हमारे पोस्ट्स पर कमेंट करते हैं और मैं भी उनकी जर्नी फॉलो करती हूं। फिल्म के बाद सबकुछ ठीक चल रहा था, लेकिन कोविड ने ब्रेक लगा दिया। बिना फिल्मी बैकग्राउंड के, दोबारा इंडस्ट्री में जगह बनाना मुश्किल था, मगर मैंने हार नहीं मानी। मिस इंडिया बनने के बाद भी स्ट्रगल लोग मानते हैं कि अगर लड़की सुंदर है, तो उसमें टैलेंट नहीं होगा। मुझे भी इसी सोच का सामना करना पड़ा। जब मैं मिस इंडिया बनी, तो कुछ लोगों ने कहा, 'अरे, ये तो सिर्फ एक प्रिटी फेस है, एक्टिंग नहीं कर पाएगी।' लेकिन मैंने हार नहीं मानी। ऑडिशन दिए, एक्टिंग वर्कशॉप कीं और खुद को साबित किया। ऐश्वर्या राय, प्रियंका चोपड़ा, सुष्मिता सेन - ये भी मिस इंडिया थीं, लेकिन अपनी मेहनत से उन्होंने खुद को साबित किया। इंडस्ट्री में टिकने के लिए सिर्फ खूबसूरती नहीं, टैलेंट और मेहनत भी चाहिए। 'नमस्ते इंग्लैंड' में अर्जुन कपूर के साथ काम करने का अनुभव अर्जुन बहुत मजेदार इंसान हैं। सेट पर उनका एनर्जी लेवल हमेशा हाई रहता था और उनके आसपास का माहौल कभी भी बोरिंग नहीं होता था। वह को-स्टार्स को कंफर्टेबल फील कराते हैं और शूटिंग के दौरान हंसी-मजाक चलता रहता था। लेकिन जब काम की बात आती थी, तो वह उतने ही प्रोफेशनल और डेडिकेटेड हो जाते थे। एक खास किस्सा मुझे याद है- हम एक छत पर शूट कर रहे थे और उस दिन मौसम बेहद ठंडा था। मैं ठंड से कांप रही थी, लेकिन अर्जुन ने बिना कुछ कहे अपनी जैकेट उतारकर मुझे दे दी। यह उनकी केयरिंग नेचर को दिखाता है। वह सिर्फ ऑन-स्क्रीन ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी बहुत अच्छे इंसान हैं। मुझे उनकी एक और बात बहुत पसंद आई - जब मेरे पापा का निधन हुआ था, तब अर्जुन ने मुझे मैसेज करके संवेदना जताई थी। इंडस्ट्री में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं, जो निजी स्तर पर भी दूसरों की परवाह करते हैं। अर्जुन ऐसे ही इंसान हैं - बेहद ग्राउंडेड, केयरिंग और दिल से अच्छे। टचवुड, बॉलीवुड में मेरा अब तक का सफर प्रोफेशनल और अच्छा रहा है। लेकिन एक बार पंजाबी फिल्म के दौरान एक अजीब स्थिति का सामना करना पड़ा था। दरअसल, मुझे एक पंजाबी फिल्म के लिए साइन किया गया था। प्रोड्यूसर नए थे, लेकिन शुरुआती बातचीत में सब कुछ नॉर्मल लग रहा था। उन्होंने कहा कि शूटिंग चंडीगढ़ में होगी और सबकुछ अच्छे से मैनेज किया जाएगा। मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी थी और कहानी भी ठीक लगी थी, इसलिए मैंने हां कर दी। मैंने जैसे ही चंडीगढ़ में कदम रखा, माहौल अचानक बदलने लगा। वहां पहुंचते ही एहसास हुआ कि चीजें वैसे नहीं थीं, जैसा मुझे बताया गया था। पहले तो उन्होंने पूछा कि मैं होटल में क्यों ठहरी, जबकि मैंने अपने होटल का खर्चा खुद उठाया था। फिर उनका कहना था कि मुझे उनके बताए हुए जगह पर ही रुकना चाहिए, ताकि मैं 'टीम के साथ घुल-मिल' जाऊं। लेकिन मेरे लिए आराम और सुरक्षा ज्यादा जरूरी थी। इसके बाद बातों का रुख धीरे-धीरे बदलने लगा। छोटी-छोटी चीजों में दखल देने लगे - कहां जाना है, किससे मिलना है, यहां तक कि मेरे कपड़ों और शॉपिंग तक पर सवाल उठाने लगे। ये सब मुझे बहुत अजीब लग रहा था। एक दिन उन्होंने मुझसे कहा- 'हमारी हीरोइन को फिल्म की प्रमोशन के लिए हर जगह मौजूद रहना चाहिए। आपको हमारे साथ ही रहना होगा, हमारी तरह से चलना होगा।' ये सुनकर मैं अंदर तक असहज हो गई। उस वक्त समझ आ गया कि बात सिर्फ प्रोफेशनल कमिटमेंट की नहीं, कुछ और भी है। मैंने तुरंत फिल्म छोड़ने का फैसला किया। मेरे लिए आत्मसम्मान सबसे जरूरी है। अगर शुरुआत में ही ऐसी बातें हो रही थीं, तो आगे क्या होता, ये सोचकर ही डर लगने लगा। मुझे लगा कि ये लोग मेरे फैसलों को कंट्रोल करना चाहते हैं, जो मुझे किसी भी हाल में मंजूर नहीं था। इसलिए बिना कोई बहस किए, मैंने वहां से निकल जाना ही सही समझा। कोई फिल्म, कोई करियर, कोई मौका - आत्मसम्मान से बढ़कर नहीं हो सकता। पापा को खोना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा दर्द पापा को खोना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा दर्द था। वह मेरे सबसे बड़े सपोर्ट थे, हमेशा कहते थे दृ शतू कर सकती है।श् उनके जाने के बाद मैंने सब छोड़ दिया, मुंबई तक छोड़ दी, क्योंकि वहां रहना और वही जिंदगी जीना मुमकिन नहीं था। चंडीगढ़ में दो साल बिताए, लेकिन हर दिन एक ही सवाल दृ अब आगे क्या? कई बार लगा कि हिम्मत टूट जाएगी, लेकिन पापा ने हमें स्ट्रॉन्ग बनाया था। फिर एक दिन वह मेरे सपने में आए और बस एक शब्द कहा दृ श्ळव.श् उसी पल मैंने फैसला किया वापस आने का। आज मैं और मेरी बहन फिर मुंबई में हैं, अपने सपनों को जी रहे हैं, क्योंकि पापा यही चाहते थे दृ कभी हार मत मानो, कभी मत रुको। बता दें, अलंकृता अब एक पॉलिटिकल-क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज में नजर आएंगी, जो जल्द ही हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

मां मधु ने प्रियंका से जुड़े किस्से शेयर किए

प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा ने हाल ही में एक्ट्रेस से जुड़े कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस ने अपने पिता के निधन के छह दिन बाद ही उनके बर्थडे के लिए काफी कुछ किया था। पिता के निधन के 6 दिन बाद मां के लिए पार्टी रखी प्रियंका की मां ने हाल ही में लेहरें रेट्रो के साथ पॉडकास्ट में बातचीत करते हुए कहा- प्रियंका के पिता का निधन 10 जून को हुआ और मेरा जन्मदिन 16 जून को होता है। मैं 60 साल की हो रही थी। इसलिए प्रियंका के पिता ने मेरे लिए एक बड़ी पार्टी की प्लानिंग की थी। उस समय वह काफी बीमार थे, जिसके कारण पूरा परिवार पहले से ही वहां मौजूद था। इसी दौरान उनका निधन हो गया। उनके जाने के बाद हम काफी शोक में थे। लेकिन उस वक्त प्रियंका ने कहा कि हम बर्थडे पार्टी ऑर्गेनाइज करेंगे और सभी गेस्ट को रुकने के लिए कहा। उसने कहा, शिपता जी यही तो चाहते थे।श् श्जॉन से मेरे बर्थडे गिफ्ट के रूप में आने के लिए कहाश् मधु चोपड़ा ने पूरा किस्सा शेयर करते हुए बताया कि मैं जॉन अब्राहम की शुरू से ही बहुत बड़ी फैन हूं। इसलिए प्रियंका ने आधी रात को जॉन को कॉल किया और उनसे रिक्वेस्ट की। प्रियंका ने जॉन से कहा कि वह मेरे बर्थडे में गिफ्ट के तौर पर आएं। फैमिली के लोगों ने जज किया- मधु चोपड़ा बर्थडे पार्टी को ऑर्गेनाइज करते वक्त प्रियंका ने कहा, श्मां को अपना मूमेंट चाहिए।श् मधु चोपड़ा ने बताया कि यह एक ग्रैंड पार्टी थी। पार्टी में डीजे, म्यूजिक सब था। लेकिन फैमिली के लोग काफी उदास बैठे हुए थे, और कह रहे थे- श्उसे देखो! वह डांस कर रही है! क्या वह अपने पति के लिए दुखी नहीं है?श् हालांकि, मधु चोपड़ा ने इसे अलग तरह से देखा। उन्होंने माना कि उनके बच्चों ने इतने दुख के बावजूद भी उन्हें खास महसूस कराने के लिए बहुत मेहनत की है। प्रियंका का कहना था कि पिता यही चाहते थे कि मां का 60वां जन्मदिन अच्छे से सेलिब्रेट किया जाए। पिता के जाने के बाद बदलाव आए- प्रियंका इससे पहले प्रियंका चोपड़ा ने रीड द रूम पॉडकास्ट पिता की डेथ को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि 2013 में उनके पिता की डेथ के बाद से उनमें काफी बदलाव आए। प्रियंका ने कहा- फ्मेरे पिताजी के निधन के बाद, मैं धीरे-धीरे मैंने यह जाना कि इस तरह दर्द कभी खत्म नहीं होगा। यह आपका साथी बना रहेगा। इसलिए, यदि आप उस दिन के बारे में सोच रहे हैं कि जब यह दर्द कम होगा तो ऐसा नहीं होता। साल 2013 में हुई थी पिता की डेथ बता दें, प्रियंका के पिता अशोक चोपड़ा की साल 2013 में कैंसर से डेथ हो गई थी। श्रद्धांजलि के तौर पर एक्ट्रेस ने अपने राइट हैंड पर टैटू बनवाया, जिस पर लिखा है डैडीज लिटिल गर्ल।

'अबॉर्शन की बात सबसे छुपाई थी'

एक्ट्रेस कुब्रा सेत अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती हैं. एक्ट्रेस ने अपनी एक किताब लिखी है जिसका टाइटल ओपन बुक है. इस किताब के एक चौप्टर में कुब्रा ने बताया था कि साल 2013 में एक वन नाइट स्टैंड के बाद वे प्रेग्नेंट हो गई थीं. ऐसे में उन्हें सबसे छुपकर अबॉर्शन कराना पड़ा था. अब सालों बाद एक्ट्रेस ने अपने अबॉर्शन पर फिर बात की है और बताया है कि उस वक्त वे काफी कमजोर महसूस कर रही थीं. बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में कुब्रा सेत ने कहा- श्मुझे लगता है कि जब मैं अबॉर्शन से गुजरी तो मैं बिल्कुल इतनी मजबूत नहीं थी. मैं बहुत कमजोर थी उसके लिए. मुझमें ये हिम्मत नहीं थी कि अगर ये हम नहीं करेंगे तो हम इसके साथ रह लेंगे. मैं उस वक्त बहुत कमजोर महसूस कर रही थी. बहुत खाली महसूस कर रही थीं. मुझे लग रहा था कि मैं इस लायक ही नहीं हूं. लेकिन बाद में ये हिम्मत आई कि आपने अपने लिए फैसला लिया और आपने जो किया आप उसपर बने रहे और स्टेरियोटिपिकल सोसाइटल नॉर्म्स को तोड़ा.श् बिना किसी को बताए खुद करवा लिया अबॉर्शन कुब्रा ने आगे खुलासा किया कि उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी और अबॉर्शन की बात सबसे छुपाई थी. उन्होंने कहा- श्किसी को इस बारे में पता नहीं था. मैं खुद गई और मैंने जाकर खुद अबॉर्शन कराया. मैंने किसी को नहीं बताया. मैं दो से तीन हफ्ते तक सोचती रही, कुछ ऐसी चीजें होती रहीं. फिर मैं अपनी एक दोस्त से मिली एक कॉफी शॉप पर और वो कह रही थी कि तुम सुन नहीं रही. फिर मैंने बताया कि मुझे अबॉर्शन कराना है और उसने पूछा किसे तुम्हें कराना है. मैं रोने लगी क्योंकि मुझे ध्यान आया कि यार ये तो मैंने किसी को नहीं बताया था और किसी को नहीं पता था कि मैं किस चीज से गुजर रही हूं.श् श्5-6 साल बाद मुझे बहुत ब्लीडिंग हो रही थीश् कुब्रा ने इस दौरान ये भी खुलासा किया कि अबॉर्शन के कई साल बाद उन्हें काफी दिक्कतें हुई थीं. उन्होंने कहा- श्5-6 साल बाद मुझे बहुत ब्लीडिंग हो रही थी जब मैं एक ट्रैवल शो के लिए शूट कर रही थीं. मुझे बहुत गर्मी लग रही थी, मैं बहुत बीमार हो रही थी, बहुत क्रैंकी थी. मुझे एहसास हुआ कि मैं अपने डायरेक्टर को बता सकती थी. इनक्रेडिबल लेडी उर्मी डायरेक्ट कर रही थीं लेकिन मैंने उन्हें एक बार नहीं बताया. मुझे लगा कि कोई नहीं समझेगा. फिर मुझे लगा कि कोई नहीं समझता तो ना समझे. जब मैं किताब लिख रही थी तो मुझे किसी की फिक्र नहीं है क्योंकि ये उनके लिए नहीं था, वो मेरे लिए था. अगर मैं खुद के लिए अपने फैसलों को लेकर रहम दिल नहीं हो सकती तो क्या फायदा.श

सोशल मीडिया पर छाई टीम इंडिया की जीत, जमकर मिली बधाइयां

माइकल वॉन रू ईमानदारी से मानना पड़ेगा कि भारत सफेद गेंद के क्रिकेट में बड़े अंतर से दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वे जीत के हकदार थे। टी20 चौम्पियन और चौम्पियंस ट्रॉफी विजेता। अब बाकियों को उनके बराबर आना है।

चौम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत की खिताबी जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा की टीम को बधाइयां देने का सिलसिला शुरू हो गया और राजनेताओं, पूर्व खिलाड़ियों से लेकर जानी मानी हस्तियों ने टीम की जमकर तारीफकी है।भारत ने रविवार को फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर तीसरी बार खिताब जीता। कप्तान रोहित शर्मा ने मोर्चे से अगुवाई करते हुए 76 रन की पारी खेली। सोशल मीडिया पर कुछ प्रमुख प्रतिक्रियायें इस प्रकार रही। सचिन तेंदुलकर रू चौम्पियंस ट्रॉफी चौम्पियन। वाह खेलमंत्री मनसुख मांडविया रू लहरा दिया तिरंगा। शानदार जबर्दस्त जीत के लिये भारत के चौम्पियंस का अभिनंदन। वीवीएस लक्ष्मण रू टीम इंडिया को शानदार प्रदर्शन करके चौम्पियंस ट्रॉफी जीतने पर बधाई।पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहकर जिस तरह से मैच दर मैच लगातार अच्छा प्रदर्शन करके खिताब जीता, उसे देखकर बहुत अच्छा लगा। जय शाह रू आसानी से कभी हार नहीं मानने वाली न्यूजीलैंड की टीम के खिलाफ भारत का अद्भुत प्रदर्शन। रोहित शर्मा ने लगातार दूसरी आईसीसी ट्रॉफी में खिताबी जीत दिलाते हुए शानदार कप्तानी की। राशिद खान रू कप्तान रोहित शर्मा और टीम को शानदार जीत पर बधाई। न्यूजीलैंड ने शानदार खेलकर कड़ी चुनौती दी। गौतम गंभीर रू 1 . 4 अरब भारतीयों को बधाई। जय हिंद माइकल वॉन रू ईमानदारी से मानना पड़ेगा कि भारत सफेद गेंद के क्रिकेट में बड़े अंतर से दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वे जीत के हकदार थे। टी20 चौम्पियन और चौम्पियंस ट्रॉफी विजेता। अब बाकियों को उनके बराबर आना है। नीता अंबानी रू भारत के लिये गौरवमयी और ऐतिहासिक पल। टीम इंडिया को तीसरी बार आईसीसी चौम्पियंस ट्रॉफी जीतकर एक बार फिर विश्व स्तर पर देश का परचम लहराने पर बधाई। यह सिर्फक्रिकेट की नहीं बल्कि एक अरब सपनों की और देश के गौरव की जीत है। भारत चमक रहा है और दुनिया देख रही है। जय हिंद। अभिषेक बच्चन रू ट्रॉफी घर आ रही है। कौशल, दृढता और जुनून की बेमिसाल बानगी दी टीम इंडिया ने।'' राजीव शुक्ला रू वाह रोहित शर्मा वाह।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पहली पसंद नहीं थे वरुण चक्रवर्ती, ऐन वक्त पर मिला मौका

दुबई। वरुण चौंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए कितने उपयोगी साबित हुए इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि वह टूर्नामेंट में देश के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। वरुण ने तीन मैचों में नौ विकेट लिए और गोल्डन बॉल की दौड़ में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। मिस्ट्री स्पिनर के नाम से मशहूर वरुण चक्रवर्ती को चौंपियंस ट्रॉफी के भारतीय टीम में लेना मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ। भारत ने रविवार को न्यूजीलैंड को हराकर चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता जिसमें वरुण का भी अहम योगदान रहा।

ये वही वरुण हैं जिन्हें शुरुआत में इस टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन अंतिम समय में भारत ने बदलाव करते हुए वरुण को जगह दी थी। खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड को हराया न्यूजीलैंड ने भारत के सामने जीत के लिए 50 ओवर में 252 रनों का लक्ष्य रखा था जिसे भारतीय टीम ने चार विकेट शेष रहते जीता। भारत ने कप्तान रोहित शर्मा के 83 गेंदों पर 76 रनों की पारी के दम पर 49 ओवर में छह विकेट पर 254 रन बनाकर जीत दर्ज की थी। भारत ने इस तरह 2013 के बाद इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी अपने नाम की और पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद लगातार दूसरा आईसीसी खिताब जीता। टूर्नामेंट में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे वरुण वरुण चौंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए कितने उपयोगी साबित हुए इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि वह टूर्नामेंट में देश के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। वरुण ने तीन मैचों में नौ विकेट लिए और गोल्डन बॉल की दौड़ में न्यूजीलैंड के मैट हेनरी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। वरुण के अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी इतने ही विकेट लिए। वरुण पहले दो मैच में नहीं खेले और न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें मौका मिला। वरुण को न्यूजीलैंड के खिलाफ चौंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप चरण के अंतिम मैच में हर्षित राणा की जगह खेलने का मौका मिला था। वरुण ने पहले ही मैच में पांच विकेट झटके और भारत को 250 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव कराने में अहम भूमिका निभाई। यह किसी भारतीय गेंदबाज का चौंपियंस ट्रॉफी के डेब्यू मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। वरुण ने फिर सेमीफाइनल और फाइनल में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

चौंपियंस ट्रॉफी से 10 दिन पहले मिला था डेब्यू का मौका वरुण का चौंपियंस ट्रॉफी में शामिल होना किसी सपने जैसा रहा। चौंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत को इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी थी। वरुण ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पांच मैचों में 14 विकेट लिए थे और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए थे। इस प्रदर्शन के बाद वरुण को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी मौका मिला। वरुण को कटक में खेले गए दूसरे वनडे मैच से डेब्यू करने का अवसर मिला। वरुण ने 33 साल 164 दिन की उम्र में भारत के लिए वनडे में डेब्यू किया। वह इस प्रारूप में अजीत वाडेकर के बाद डेब्यू करने वाले भारत के दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। वरुण ने ऐसे समय 50 ओवर के प्रारूप में भारत के लिए अपना पहला मैच खेला जब 10 दिन बाद चौंपियंस ट्रॉफी होनी थी। यहीं से वरुण को चौंपियंस ट्रॉफी के लिए मौका मिलने के संकेत मिलने लगे। टीम में बदलाव का जोखिम आया काम चौंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से होनी थी, लेकिन टीम इंडिया ने इससे कुछ ही दिन पहले यानी 11 फरवरी को अपनी शुरुआती 15 सदस्यीय टीम बदलाव किया। भारत ने बुमराह की जगह तेज गेंदबाज हर्षित को चुना, जबकि बल्लेबाज यशस्वी की जगह वरुण को मौका दिया था। यह दूसरी बार था जब वरुण को अंतिम समय में आईसीसी के किसी बड़े टूर्नामेंट के लिए चुना गया। इससे पहले वरुण को 2021 टी20 विश्व कप के लिए भी टीम में शामिल किया गया था, लेकिन वह टूर्नामेंट में पूरी तरह विफल रहे थे और एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। हालांकि, दुबई में ही वरुण इस बार सफल साबित हुए और उन्हें टीम में लेने का जोखिम काम आया।

कप्तान के तौर पर जीत प्रतिशत के मामले में सबसे आगे हैं रोहित शर्मा, पोंटिंग-कोहली भी रह गए पीछे

नई दिल्ली। रोहित चौंपियंस ट्रॉफी जीतते ही पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के विशेष क्लब में शामिल हो गए थे। रोहित भारत के लिए एक से अधिक आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले दूसरे कप्तान बन गए। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा देश के सबसे सफल कप्तान में से एक हैं। भारत ने उनके नेतृत्व में पिछले कुछ समय से शानदार प्रदर्शन किया है और आठ महीने के भीतर दूसरा आईसीसी खिताब जीतने में सफल रहा है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने अजेय रहते हुए पिछले साल टी20 विश्व कप जीता था और अब चौंपियंस ट्रॉफी में भी टीम ने लगातार पांच जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। रोहित चौंपियंस ट्रॉफी जीतते ही पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के विशेष क्लब में शामिल हो गए थे। रोहित भारत के लिए एक से अधिक आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाले दूसरे कप्तान बन गए। भारत को अपनी कप्तानी में सबसे ज्यादा आईसीसी खिताब दिलाने का रिकॉर्ड महेंद्र सिंह धोनी के नाम है जिन्होंने तीन आईसीसी ट्रॉफी जीती है। रोहित ने इस मामले में सौरव गांगुली और कपिल देव को पीछे छोड़ा था जिनकी कप्तानी में भारत ने एक-एक आईसीसी खिताब जीते हैं। रोहित तीसरे ऐसे भारतीय कप्तान हैं जिसने चौंपियंस ट्रॉफी जीती है। फाइनल में चला रोहित का बल्ला रोहित का बल्ला वनडे प्रारूप में जमकर चलता है और ऐसा ही इस बार भी देखा गया। चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल से पहले रोहित के बल्ले से बड़ी पारी नहीं निकली थी, लेकिन समय पर कप्तान ने बल्ले से अपना दम दिखाया। रोहित शर्मा ने 41 गेंद में वनडे करियर का 58वां अर्धशतक लगाया और खिताबी मैच में अपना दम दिखाया। रोहित ने इसके साथ ही शुभमन गिल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी की और भारत की जीत की नींव रखी। वह 83 गेंद में सात चौके और तीन छक्के की मदद से 76 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान के तौर पर अच्छा है रोहित का रिकॉर्ड रोहित का कप्तान के तौर पर रिकॉर्ड ना सिर्फ आईपीएल बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अच्छा है। रोहित ने 142 मैचों में भारत की कप्तानी की है जिसमें से टीम 105 मैच जीतने में सफल रही है, जबकि 33 मैच में उसे हार मिली है। इस दौरान रोहित का जीत का प्रतिशत 73.94 प्रतिशत रहा है जो किसी भी कप्तान की तुलना में सर्वश्रेष्ठ है। रोहित के बाद रिकी पोंटिंग का नंबर आता है जिन्होंने 324 मैचों में ऑस्ट्रेलिया की कमान संभाली जिसमें टीम ने 220 मैचों में जीत दर्ज की, जबकि 77 मुकाबले गंवाए। पोंटिंग का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तान के तौर पर जीत का प्रतिशत 67.90 है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सर्वश्रेष्ठ जीत प्रतिशत

कप्तान	मैच	जीत	हार	जीत प्रतिशत
रोहित शर्मा	142	105	33	73.94:
रिकी पोंटिंग	324	220	77	67.90:
स्टीव वॉ	163	108	44	66.25:
हैंसी क्रोंजे	191	126	46	65.96:
विराट कोहली	213	137	60	64.00:
क्लाइव लॉयड	158	100	30	63.00:

गिल के साथ भूमिका रही अहम रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने चौंपियंस ट्रॉफी में प्रतिद्वंद्वी टीमों को पीछे छोड़कर भारत को खिताब दिलाने तक अहम भूमिका निभाई। रोहित के शॉट ने जहां दिखाया कि वह परिस्थिति के बारे में सोचे बिना या गेंद की स्थिति का आकलन किए बिना वह गेंदबाजों पर हावी होना चाह रहे थे, जबकि गिल ने मौके का इंतजार कर शॉट लगाने की इच्छा दिखाई। दोनों इसी तरह खेलते हैं। रोहित-गिल की सलामी साझेदारी बीते समय की सभी बेहतरीन जोड़ियों की तरह ही दिखी जिसमें एक बल्लेबाज आक्रामक खेल रहा है तो दूसरा उतना ही सहज और संयमित होकर शॉट लगा रहा था।

वनडे प्रारूप को अलविदा नहीं कह रहा, अफवाहें मत फैलाइये : रोहित शर्मा

'' केएल इतने साल से टीम के लिये कई चुनौतीपूर्ण काम कर रहा है। उसने सेमीफाइनल में और फाइनल दोनों में अहम भूमिका निभाई। उसने भले ही 70 . 80 रन नहीं बनाये हों लेकिन उसके 30 . 40 रन काफी अहम थे।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने कैरियर को लेकर तमाम अटकलों को रविवार को चौम्पियंस ट्रॉफी जीतने के बाद खारिज करते हुए कहा कि वह अभी वनडे क्रिकेट को अलविदा कहने नहीं जा रहे।आस्ट्रेलिया दौरे के समय से ही रोहित की कप्तानी और टीम में उनकी जगह को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन की पारी उनके कैरियर के लिये संजीवनी साबित हुई। उन्होंने फाइनल में न्यूजीलैंड पर चार विकेट से मिली जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' मैं वनडे प्रारूप से संन्यास नहीं ले रहा हूं। कृपया अफवाहें मत फैलाइये।'' भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा ,'' कोई फ्यूचर प्लान नहीं है। जो हो रहा है, वो चलता जायेगा।'' रोहित ने कहा कि पावरप्ले में आक्रामक खेलने का उनका फैसला खास लक्ष्य को ध्यान में रखकर लिया गया था। उन्होंने कहा ,'' मैने आज कुछ अलग नहीं किया। मैं पिछले तीन चार मैचों से ऐसा ही कर रहा था। मुझे पता है कि पावरप्ले में रन बनाना कितना अहम है क्योंकि हमने देखा है कि दस ओवरों के बाद फील्ड के फैलने और स्पिनरों के आने के बाद रन बनाना मुश्किल होता है।'' उन्होंने कहा ,'' पिच धीमी थी और रन बनाना और मुश्किल हो गया था। ऐसे में शुरू में ही मौके लेना जरूरी था। मैने गेंदबाज को चुना जिसके खिलाफ रन बना सकता हूं। ऐसे में कई बार ज्यादा रन नहीं बनते। आज दस ओवरों के बाद मैने अपने खेल में थोड़ा बदलाव किया क्योंकि मुझे टिककर खेलना था।'' रोहित ने स्वीकार किया कि टीम की जीत में योगदान देना काफी संतोषजनक है। उन्होंने कहा ,'' जब आप मैच जीतते हैं और उसमें योगदान देते हैं तो और बेहतर लगता है। मैने 2019 विश्व कप में भी काफी योगदान दिया लेकिन हम जीत नहीं सके थे तो उसमें मजा नहीं आया। अगर आप थोड़े रन बनाते हैं और जीतते हैं तो ज्यादा खुशी मिलती है।'' केएल राहुल को छठे नंबर पर भेजने के फैसले पर भी काफी चर्चा हुई लेकिन रोहित ने कहा कि प्रबंधन को यह देखकर खुशी हो रही है कि वह नयी भूमिका में लगातार रन बना रहा है। उन्होंने कहा ,'' हर किसी का योगदान जरूरी है। केएल राहुल का बल्लेबाजी क्रम तय करते समय हमने इस पर बात की थी कि वह दबाव का बखूबी सामना करता है। हम वह शांत रवैया मध्यक्रम में चाहते थे और अक्षर का भी इस्तेमाल मध्यक्रम में करना था।'' उन्होंने कहा ,'' केएल इतने साल से टीम के लिये कई चुनौतीपूर्ण काम कर रहा है। उसने सेमीफाइनल में और फाइनल दोनों में अहम भूमिका निभाई। उसने भले ही 70 . 80 रन नहीं बनाये हों लेकिन उसके 30 . 40 रन काफी अहम थे।

हैरी ब्रूक ने दिल्ली कैपिटल्स के साथ कॉन्ट्रैक्ट किया खत्म, अब झेलना होगा बैन

इंग्लैंड टीम के बल्लेबाज हैरी ब्रूक आईपीएल 2025 खेलते हुए नहीं दिखेंगे। दरअसल, ब्रूक ने आईपीएल के नए सीजन से पहले ही टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। निजी कारणों का हवाला देकर और नेशनल टीम के साथ अपने कमिटमेंट को दर्शाते हुए हैरी ब्रूक ने आईपीएल से हटने का फैसला किया है। हालांकि, इसका परिणाम भी उनको भुगतना पड़ेगा और अगले दो सीजन से वो बैन हो जाएंगे। ब्रूक को नवंबर में आयोजित हुए मेगा ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 6.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। ये लगातार दूसरी बार है जब ब्रूक ने आईपीएल से अपना नाम वापस लिया है और अब उन पर प्रतियोगिता से प्रतिबंध लगने का खतरा मंडरा रहा है। आईपीएल द्वारा शुरू किएगए नए नियम के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो प्लेयर ऑक्शन में खुद को रजिस्टर करता है और नीलामी में चुने जाने के बाद सीजन की शुरुआत से पहले खुद को उपलब्ध नहीं कराता है। उसे टूर्नामेंट और प्लेयर ऑक्शन में भाग लेने से 2 सीजन के प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। हालांकि, इस नियम में छूट है कि खिलाड़ी को चोट या मेडिकल कंडीशन के कारण बाहर रहने पर कोई पाबंदी नहीं होगी। हालांकि, ब्रूक ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक बयान में कहा कि, ये इंग्लैंड क्रिकेट के लिए वास्तव में अहम समय है और मैं आगामी सीरीज की तैयारी के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होना चाहता हूं। ऐसा करने के लिए मुझे अपने करियर के अब तक के सबसे व्यस्त दौर के बाद रिचार्ज करने के लिए समय चाहिए। मैं जानता हूं कि हर कोई इसे नहीं समझेगा और मैं उनसे इसकी उम्मीद भी नहीं करता लेकिन मुझे वही करना है जो मुझे सही लगता है। अपने देश के लिए खेलना मेरी प्राथमिकता और फोकस बना रहेगा। पिछले सीजन ब्रूक किसी प्रियजन की मृत्यु के कारण टूर्नामेंट से हटे थे। एक ही आईपीएल सीजन 2023 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेले हैं, जिसमें एक शतक के अलावा उन्होंने ज्यादा कुछ नहीं किया था।

चैंपियंस ट्रॉफी के अवॉर्ड समारोह में गायब रहा मेजबान पाकिस्तान, शोएब अख्तर ने अपने ही क्रिकेट बोर्ड पर उठाए सवाल, कहा- समझ से परे है...

आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 भारत ने जीत ली है। लेकिन इसके समापन समारोह को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है, जब पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का कोई भी अधिकारी नजर नहीं आया। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट का मेजबान था, लेकिन दुबई में हुए प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी में पीसीबी की तरफसे कोई भी मंच पर नहीं दिखा, जिससे कई सवाल खड़े हो गए हैं। वहीं पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी शोएब अख्तर ने भी सवाल उठाए हैं। जब पूरा भारत चौंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रहा था, तब दुबई से आई अवॉर्ड समारोह तस्वीर ने सोशल मीडिया में हलचल मचा दी। सवाल उठने लगे कि आखिर पीसीबी का कोई भी बड़ा नाम मंच पर क्यों नहीं दिखा? इस मुद्दे ने पाकिस्तान में भी खूब सुर्खियां बटोरी। वहीं शोएब अख्तर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्हें इस मामले पर नराजागी जताते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा कि ये मेरी समझ से परे है। वर्ल्ड स्टेज पर ऐसा कैसे हो सकता है? पीसीबी चेयरमैन या कोई बड़ा अधिकारी वहां होना चाहिए था। लेकिन अफसोस की बात है कि ऐसा नहीं हुआ। हालांकि, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी की गैरमौजूदगी को लेकर सफाई दी। उन्होंने एक यूट्यूब चौनल पर कहा कि जहां तक मुझे जानकारी है, मोहसिन नकवी की तबीयत ठीक नहीं थी, इसलिए वह दुबई नहीं जा सके। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक पीसीबी के चीफएग्जीक्यूटिव अफसर सुमेर अहमद और अधिकारी उस्मान वाला स्टेडियम में मौजूद थे। लेकिन उन्हें मंच पर नहीं बुलाया गया। सुमेर तो चौंपियंस ट्रॉफी के डायरेक्टर थे, बावजूद उनकी गैरमौजूदगी सवालों के घेरे में आ गई।

जो हो रहा है, वो चलता जायेगा, संन्यास की अटकलों पर रोहित शर्मा की दो टूक

रोहित शर्मा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह वनडे क्रिकेट से संन्यास नहीं ले रहे हैं। भारतीय कप्तान अपने साथी विराट कोहली के साथ बातचीत के दौरान अफवाह फैलाने वालों को बख्शने के मूड में नहीं थे, जब दोनों ने रविवार रात दुबई में चौंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद तस्वीरें खिंचवाई। सोशल मीडिया पर एक क्लिप खूब शेयर की जा रही है, जिसमें रोहित कथित तौर पर कोहली से कह रहे हैं कि कैसे हर कोई सोच रहा है कि वे वनडे से संन्यास लेने जा रहे हैं, जबकि ऐसा नहीं है। रोहित ने साफतौर पर कहा कि अभी हम कोई रिटायर नहीं होंगे। इनको तो लग रहा है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मैं वनडे प्रारूप से संन्यास नहीं ले रहा हूं। कृपया अफवाहें मत फैलाइये। भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा ,'' कोई फ्यूचर प्लान नहीं है। जो हो रहा है, वो चलता जायेगा।'' रोहित ने कहा कि पावरप्ले में आक्रामक खेलने का उनका फैसला खास लक्ष्य को ध्यान में रखकर लिया गया था। उन्होंने कहा ,'' मैने आज कुछ अलग नहीं किया। मैं पिछले तीन चार मैचों से ऐसा ही कर रहा था। मुझे पता है कि पावरप्ले में रन बनाना कितना अहम है क्योंकि हमने देखा है कि दस ओवरों के बाद फील्ड के फैलने और स्पिनरों के आने के बाद रन बनाना मुश्किल होता है।'' रोहित और कोहली ने अब भारतीय खिलाड़ियों के रूप में सबसे ज्यादा प्ब्ल् खिताब जीते हैं, उन्होंने चार-चार खिताब जीते हैं।

नवजोत सिंह सिद्धू के साथ मस्ती करते दिखे गौतम गंभीर, टीम इंडिया के हेड कोच ने किया भांगड़ा

टीम इंडिया के चौंपियंस ट्रॉफी जीतते ही पूरा देश जश्न मना रहा है। खिलाड़ियों ने भी जमकर मस्ती की। इसमें सबसे खास रहा कोच गौतम गंभीर का डांस। गौतम गंभीर मुस्कुराते भी बहुत मुश्किल से हैं। लेकिन चौंपियंस ट्रॉफी में मिली जीत के बाद नवजोत सिंह सिद्धू ने गंभीर से भी डांस करा लिया।

भारत की जीत से जुड़ा अजब संयोग

दुबई। विराट ने भारत को टी20 विश्व कप के फाइनल में और अब रोहित ने चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में जीत दिलाई है। दोनों ने टीम के अहम पारी खेली है। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में चार विकेट से हराकर खिताब जीत लिया है। पिछले साल टी20 विश्व कप चौंपियन बनने के बाद हर फैन भारतीय टीम से एक और खिताब की उम्मीद लगाए बैठा था, जो कि पूरा हो गया है। 2023 वनडे विश्व कप फाइनल में मिली हार के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की आंखों में आंसू थे, लेकिन उन्होंने उससे सीखा और लगातार दो आईसीसी टूर्नामेंट में भारत को चौंपियन बनाया। जहां टी20 विश्व कप में 2024 में विराट ने अहम पारी खेली, वहीं 2025 चौंपियंस ट्रॉफी में रोहित शर्मा ने कप्तानी पारी खेल टीम इंडिया को चौंपियन बनाया। रोहित और विराट सात-सात सीमित ओवर का आईसीसी टूर्नामेंट फाइनल खेल चुके हैं। रोहित का प्रदर्शन ठीक-ठाक रहा है तो विराट तीन अर्धशतक लगा चुके हैं। आइए आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में दोनों के प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं। रोहित का आईसीसी फाइनल में प्रदर्शन रोहित ने इस फाइनल से पहले 2007 टी20 विश्व कप का फाइनल, 2013 चौंपियंस ट्रॉफी का फाइनल, 2014 टी20 विश्व कप का फाइनल, 2017 चौंपियंस ट्रॉफी का फाइनल, 2023 वनडे विश्व कप का फाइनल और 2024 टी20 विश्व कप का फाइनल खेला है। 2007 टी20 विश्व कप के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ रोहित ने नाबाद 30 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। यह मैच टीम इंडिया ने जीता था। 2013 चौंपियंस ट्रॉफी में रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ नौ रन बनाए थे। हालांकि, तब भी टीम इंडिया जीतने में कामयाब हुई थी। 2014 टी20 विश्व कप के फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ रोहित ने 29 रन बनाए थे। भारत यह फाइनल हार गया था। 2017 चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में रोहित पाकिस्तान के खिलाफ खाता नहीं खोल सके थे। टीम इंडिया यह मैच भी हार गई थी। वहीं, 2023 वनडे विश्व कप में रोहित ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 47 रन बनाकर आउट हुए थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।